



रोहित शर्मा को मिली...

@ पेज 7

जम्मू-कश्मीर में हो रहा विकास, वहां की 99.99 प्रतिशत जनता भारत सरकार के साथ; सुप्रीम कोर्ट में केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने के मामले में केंद्र सरकार वहां की सरकार से परामर्श कर रही है। जम्मू-कश्मीर क्षेत्र ने प्रगति की है और सभी खुश हैं। वहां के 99.99 प्रतिशत लोग भारत सरकार को अपनी सरकार मानते हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान शीर्ष कोर्ट के सामने यह बात कही। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग वाली कई याचिकाओं पर जवाब दायित्व करने के लिए केंद्र सरकार को और चार सप्ताह का समय दे दिया।

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवंई और जस्टिस के वीनोद चंद्रन की पीठ ने पर्यटकों



पर हुए आतंकी हमले का संदर्भ देते हुए कहा, सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद ही केंद्र निर्णय ले सकता है... देखिए पहलुगाम में क्या हुआ था। अदालत ने 14 अगस्त को केंद्र से इस मामले में याचिका पर जवाब देने को कहा था। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव शांतिपूर्ण

हंग से संपन्न हुए और एक निर्वाचित सरकार बनी। मेहता ने कहा कि पिछले छह वर्षों में जम्मू-कश्मीर में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। लोग खुश हैं। उन्होंने दलील दी कि हाल के दिनों में पहलुगाम हमले सहित कुछ घटनाएं हुई हैं और राज्य का दर्जा बहाल करने पर अंतिम निर्णय लेने से पहले इन सभी घटनाओं पर विचार करना होगा।

सुप्रीम कोर्ट बोला- वॉट्सएप यॉ, स्वदेशी एप अपनाएं

सोशल मीडिया अकाउंट्स को सस्पेंड-ब्लॉक करने के नियम बनाने की मांग थी, याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उस याचिका खारिज कर दिया, जिसमें देशभर में सोशल मीडिया अकाउंट्स को सस्पेंड या ब्लॉक करने के नियम बनाने की मांग थी। याचिकाकर्ता चाहते थे कि सोशल मीडिया कंपनियां अकाउंट सस्पेंड या ब्लॉक करने में साफ प्रक्रिया, पारदर्शिता और संतुलन रखें। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने अनुच्छेद 32 के तहत कहा कि वॉट्सएप तक पहुंच को मौलिक अधिकार कैसे कहा जा सकता है। बेंच ने यह भी कहा कि हाल ही में एक देशी मैसेजिंग एप लॉन्च हुआ है, जिसे याचिकाकर्ता इस्तेमाल कर सकते हैं। कोर्ट ने यह सुझाव भी दिया कि अगर चाहें तो याचिकाकर्ता इस मामले को निचली अदालत में भी ले जा सकते हैं।

स्वदेशी एप अरट्टाई के डाउनलोड 100 गुना तक बढ़े- सुप्रीम कोर्ट ने दरअसल जोहो कंपनी का नया मैसेजिंग एप 'अरट्टाई' को जिफ्ट किया था। इस एप के डाउनलोड में सितंबर में 100 गुना बढ़ोतरी हुई। 3 अक्टूबर तक इसे 75 लाख बार डाउनलोड किया जा चुका था। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने भी इस एप का इस्तेमाल शुरू कर दिया है।

मोहन भागवत बोले :आरएसएस जैसी संस्था केवल नागपुर में बन सकती थी यहां पहले से त्याग-समाज सेवा की भावना

नागपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चीफ मोहन भागवत ने कहा, देश में कई लोग हिंदुत्व पर गर्व करते थे और हिंदू एकता की बात करते थे, लेकिन RSS जैसी संस्था केवल नागपुर में ही बन सकती थी। यहां पहले से ही त्याग और समाज सेवा की भावना थी। उन्होंने कहा- RSS ने हाल ही में दशहरे पर अपने 100 साल पूरे किए। इसकी स्थापना साल 1925 में नागपुर में डॉ. हेडगेवार ने की थी। संगठन का उद्देश्य समाज में अनुशासन, सेवा, सांस्कृतिक जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना पैदा करना था।

शुक्रवार को नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान भागवत ने कहा : छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्वराज की स्थापना अपने लिए नहीं, बल्कि ईश्वर, धर्म और राष्ट्र के लिए की थी। उन्होंने लोगों को एक महान उद्देश्य के लिए जोड़ा। उनकी एकता की भावना ने समाज को ताकत दी। जब तक उनके आदर्श जीवित रहे, तब तक समाज में प्रगति और



भागवत बोले- इतिहास से सीखें

RSS चीफ ने कहा कि ब्रिटिश शासन ने योजनाबद्ध तरीके से उन प्रतीकों और परंपराओं को खत्म करने की कोशिश की, जो भारतीयों को एकजुट करती थीं। इसलिए इतिहास से सीखें और उन लोगों की निस्वार्थ भावना को याद रखें, जिन्होंने समाज और देश के हित के लिए काम किया। 100 साल का संघ, एपिसोड-1-मुस्लिमों का साथ देने पर गांधी से नाराज एक कांग्रेसी ने बनाया RSS, उनकी आखिरी विट्ठी पढ़ सब हैरान क्यों रह गए

विकास होता रहा। उनके विचारों ने आगे चलकर 1857 के स्वतंत्रता संग्राम तक को प्रेरित किया।

राष्ट्रपति मुर्मु ने किए भगवान द्वारकाधीश के दर्शन

गांधीनगर, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज गुजरात के द्वारका पहुंची। उन्होंने द्वारका में भगवान द्वारकाधीश के चरणों में शीश झुकाकर दर्शन किए। राष्ट्रपति ने भगवान द्वारकाधीश से भारत के नागरिकों के सुख, शांति और समृद्धि के लिए हृदयपूर्वक प्रार्थना की। उन्होंने भक्तिभाव से शास्त्रोंक विधि अनुसार पादुका पूजन कर धन्यता का अनुभव किया। इस अवसर पर द्वारकाधीश मंदिर में पर्यटन मंत्री मूलभाई बेर, जिला कलेक्टर राजेश तत्रा, रेंज आईजी अशोककुमार यादव, पुलिस अधीक्षक जयरामसिंह वाला, प्रांत अधिकारी अमोल आवटे, प्रशासक तथा नायब कलेक्टर हिमांशु चौहान ने राष्ट्रपति का ऊपरणा, द्वारका मंदिर की प्रतिकृति, फूल और तुलसी से निर्मित अनुग्रहम अगरबत्ती, गोल्ड प्लेटेड द्वारकाधीश का स्वरूप तथा प्रसाद भेंट कर स्वागत किया। राष्ट्रपति के साथ उनकी पुत्री इतिश्री मुर्मु और अन्य गणमय्या व्यक्ति मौजूद थे।



मायावती की मांग, हरियाणा आईपीएस आत्महत्या प्रकरण की हो निषपक्ष जांच

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने हरियाणा में आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार की आत्महत्या मामले में कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि एक सभ्य सरकार के लिये यह शर्मनाक है। यह साबित करती है कि लाख दावों के बावजूद जातिवाद का देश किन्तु अधिक खासकर शासन-प्रशासन में हावी है और सरकारें इसको रोक पाने में विफल साबित हो रही हैं। उन्होंने इस घटना की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। बसपा प्रमुख ने शनिवार को एक्स पर एक लंबी पोस्ट में लिखा, हरियाणा राज्य में आईजी रैंक के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वाई. पूरन कुमार, जिनकी पत्नी भी स्वयं हरियाणा की वरिष्ठ आईएसएस अधिकारी हैं, ने जातिवादी शोषण व प्रताड़ना के कारण की गयी आत्महत्या की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। खासकर दलित व बहुजन समाज के लोग काफी उद्ध्वलित हैं। उन्होंने कहा, यह अति-दुखद व अति-गंभीर घटना खासकर एक सभ्य सरकार के लिये शर्मनाक है और यह साबित करती है कि लाख दावों के बावजूद जातिवाद का देश किन्तु अधिक खासकर शासन-प्रशासन में हावी है और सरकारें इसको रोक पाने में विफल साबित हो रही हैं।



अफगानी मंत्री ने महिला पत्रकारों की एंट्री रोकी

प्रियंका का पीएम से सवाल- महिलाओं का अपमान कैसे होने दिया; केंद्र बोला- हमारा कोई रोल नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों की एंट्री पर रोक लगाने पर विवाद हो गया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड़ा ने पीएम मोदी से पूछा- भारत में हमारे ही देश की कुछ सबसे सक्षम महिलाओं का अपमान कैसे होने दिया गया, जबकि महिलाएं ही देश की रौंद और गौरव हैं।

वहीं, विवाद बढ़ने पर भारत के विदेश मंत्रालय (MEA) ने कहा कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनका कोई रोल नहीं था। न ही उनकी तरफ से पत्रकारों को बुलाया गया था। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस अफगानी एजेंसी में हुई थी।

विदेश मंत्रालय ने कहा- जब अफगानिस्तानी मंत्री दिल्ली आए तो मुंबई स्थित अफगानिस्तान के कार्डिसल जनरल ने ही 10



अक्टूबर को चुनिंदा पत्रकारों को आमंत्रण भेजा था। अफगान दूतावास भारत सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। बता दें कि अफगानी विदेश मंत्री 9 से 16 अक्टूबर तक भारत दौरे पर हैं।

भारत दौरे पर अफगानी मंत्री, सिर्फ पुरुष पत्रकारों से बात की अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर मुत्तकी 9 अक्टूबर से भारत दौरे पर हैं। उन्होंने शुक्रवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के

दिया, इन्हें आशास्यद जिले (Aspirational Districts) घोषित किया।

इन जिलों को सह-संयोजन, सहयोग और प्रतिस्पर्धा के अपने मंत्र से बदला। यहां की 20% बस्तियों में स्वतंत्रता के बाद भी सड़क नहीं थी। आज इन बस्तियों का अधिकांश हिस्सा सड़कों से जुड़ चुका है। पहले यहां के 17% बच्चों को टीकाकरण का लाभ नहीं मिल रहा था, लेकिन आज मिल रहा है। 15ब से अधिक स्कूलों में बिजली नहीं थी, लेकिन अब योजना के तहत हर स्कूल में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है।

दूध के प्रोडक्शन भारत नंबर 1 : पीएम ने कहा- भारत दुनिया में दूध उत्पादन में नंबर वन है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है। 2014 के मुकाबले शहद का उत्पादन भी दोगुना हुआ है। अंडे का प्रोडक्शन भी पिछले 11 सालों में दोगुना हुआ। उन्होंने कहा कि पिछले 11 सालों में भारत का कृषि निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। अन्न उत्पादन में लगभग 90 मिलियन मीट्रिक टन की वृद्धि हुई है। फल और सब्जियों का उत्पादन 64 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक



10 हजार से ज्यादा किसान उत्पादक संघ का गठन

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 11 साल में 10 हजार से ज्यादा किसान उत्पादक संघ (FPOs) का गठन किया गया। इन सालों में देश के किसानों ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। आज देश का स्वभाव ऐसा हो गया है कि सिर्फ कुछ उपलब्धियों से संतुष्टि नहीं होती। यदि हम विकसित बनना चाहते हैं, तो हमें हर क्षेत्र में लगातार सुधार करना होगा। पीएम धन-धान्य कृषि योजना इसी सोच का परिणाम है।

815 करोड़ के प्रोजेक्ट की नींव रखी-पीएम मोदी ने कार्यक्रम में 815 करोड़ रुपए की लागत से तैयार होने वाली आंध्र प्रदेश में इंटीग्रेटेड कोल्ड चेन और वैल्यू एडिशन सुविधाएं, उत्तराखंड में ट्राइट मत्स्य पालन, नगालैंड में एकीकृत एका पार्क, पुडुचेरी में स्मार्ट किशिंग हार्बर और ओडिशा के हीराकुड में एडवांस्ड एका पार्क की भी नींव रखी।

बढ़ा है। पिछले 11 सालों में देश में छह बड़े फर्टीलाइजर प्लांट बनाए गए। किसानों को 2.5 करोड़ से अधिक मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड बांटे। माइक्रो-इरिगेशन की सुविधा 100 लाख हेक्टेयर तक

अरुणाचल में आया

3.5 तीव्रता का भूकंप, किसी हताहत नहीं

इटानगर, एजेंसी।

अरुणाचल प्रदेश में मध्यम तीव्रता का भूकंप आया है। शनिवार सुबह 8:31:35 बजे आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5 मापी गयी। अंतिम सूचना मिलने तक किसी के हताहत होने या अन्य नुकसान की खबर नहीं है।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीसी) ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर बताया कि शनिवार सुबह 8:31:35 बजे आए 3.5 तीव्रता के भूकंप का केंद्र पूर्वी कामेंग जिले में 5 किलोमीटर की गहराई पर, 27.502 उत्तर अक्षांश और 92.85ए पूर्व देशांतर पर स्थित था। हालांकि, जिले के कुछ हिस्सों में झटके महसूस किए गए, लेकिन अभी तक किसी भी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। प्रशासन स्थिति पर नजर रखे हुए है।

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में मेडिकल स्टूडेंट से गैंगरेप दोस्त के साथ डिनर पर गई थी; लौटते समय युवकों ने रास्ता रोका, दरिंदगी की

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर में एक मेडिकल स्टूडेंट के साथ शुक्रवार को गैंगरेप हुआ। पीड़ित अपने एक पुरुष दोस्त के साथ डिनर पर गई थी। वापस लौटते समय कुछ युवकों ने उनका रास्ता रोका। फिर उसके साथी को वहां से भगाकर छात्रा से दरिंदगी की। पुलिस ने शनिवार को बताया कि पीड़ित ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली है और दुर्गापुर के एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में सेकेंड ईयर की स्टूडेंट है। यह घटना मेडिकल कॉलेज कैम्पस के बाहर हुई। मेडिकल छात्रा का पास के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। छात्रा के साथ गैंगरेप की घटना रात करीब 8:30 से 9 बजे के बीच की बताई जा रही है। आज सुबह छात्रा के माता-पिता दुर्गापुर पहुंचे। छात्रा के पिता ने कहा- हमने अपनी बेटी को यहां मेडिकल की पढ़ाई के लिए भेजा था। सुना था कि कॉलेज अच्छा है, लेकिन यहां सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है। पीड़ित के माता-पिता की शिकायत पर दुर्गापुर न्यू टाउन थाने में मामला दर्ज किया गया है।

अखिलेश यादव के फेसबुक अकाउंट ब्लॉक करने में सरकार की कोई भूमिका नहीं: अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का फेसबुक अकाउंट 12 घंटे ब्लॉक रहा। इस पर समाजवादी पार्टी ने इस कार्रवाई को लोकतंत्र पर हमला करार दिया। इन आरोपों पर सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सरकार की किसी भी भूमिका से इनकार किया।

वैष्णव ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि इस कार्रवाई में सरकार की कोई भूमिका नहीं है। अखिलेश यादव के पेज को फेसबुक की नीति उल्लंघन, विशेष रूप से अपमानजनक भाषा के कारण हटाया गया था। वैष्णव ने कहा कि इस कार्रवाई में सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं है।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार रात को अखिलेश यादव का फेसबुक अकाउंट ब्लॉक कर दिया गया था। उनके आठ मिलियन फेसबुक फॉलोअर्स हैं। समाजवादी पार्टी



की आईटी टीम ने मेदा को इसकी सूचना दी तो शनिवार को दिन में इसको बहाल कर दिया गया है। मेदा ने यह कार्रवाई उनके फेसबुक पर 'हिंसक और अश्लील पोस्ट' के कारण की थी। मेदा की इस कार्रवाई पर सपा नेताओं ने सरकार को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया था। सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने सपा संसेशन को लेकर आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार ने विरोधी आवाजों को दबाने का प्रयास किया है। अखिलेश का वरिफाइड अकाउंट बिना सरकारी दबाव के सस्पेंड नहीं हो सकता।

सीएम रेखा ने 11 कोरोना योद्धाओं के परिवारों को दिए एक करोड़ के चेक



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को 11 कोरोना योद्धाओं के परिवारों को एक करोड़ रुपये की राशि दी। सीएम ने कोविड-19 के दौरान मृतकों के परिवारों को चेक वितरण करने पर कहा कि इन लोगों के आवेदन वर्षों से पड़े थे। कोविड-19 के दौरान जब पूरी दुनिया अपने घरों में थी, तब भी ये लोगों को बचाने के लिए काम कर रहे थे। किसी सफाई कर्मचारी, डॉक्टर, नर्स ने छुट्टी नहीं ली, किसी ने मना नहीं किया, ऐसे में सरकार ने उन्हें उनका हक नहीं दिया।आगे कहा कि पिछली सरकार किस काम में लगी थी कि उन्हें कई साल तक याद नहीं आया कि उन्हें पैसे देने हैं... मैं इन सभी परिवारों से क्षमाप्रार्थी हूँ, और आज हमने उनके हक का पैसा वितरित किया है। शनिवार को उन्होंने 11 परिवारों को एक करोड़ की अनुग्रह राशि के चेक सौंपे। यह उन डॉक्टरों, नर्सों और सफाई कर्मचारियों के लिए है, जो महामारी के दौरान ड्यूटी पर थे। मृतक कोरोना योद्धाओं के परिवार के सदस्यों से सीएम ने बातचीत भी की। जून में, दिल्ली के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, कपिल मिश्रा और पंकज कुमार सिंह की एक टीम का गठन किया गया था ताकि राशि वितरण प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके। सरकार ने वादा किया है कि बाकी लंबित मामलों को जल्द सुलझाया जाएगा।

पैसों के विवाद में टैंपो चालक ने की मालिक की हत्या, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

दिल्ली, एजेंसी। बुध विहार में पैसों के विवाद में टैंपो चालक ने मालिक की चाकू गोदकर हत्या कर दी। मृतक की शिनाख्त रिटाला की पाल कालोनी निवासी (45) जितेंद्र यादव के रूप में हुई। पुलिस ने छानबीन करते हुए फरार आरोपी शक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से हत्या में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि 2 अक्तूबर को बुध विहार थाने को अंबेडकर अस्पताल से एक व्यक्ति को चाकू मारे जाने के बाद भर्ती किए जाने की जानकारी मिली। घायल की पहचान रिटाला निवासी जितेंद्र यादव के रूप में हुई। वह बयान देने की स्थिति में नहीं था। पुलिस वहां से घटनास्थल बजाज सर्विस सेंटर के पास पहुंची, वहां पीड़ित का 14 साल का बेटा मिला, जो चश्मदीद था। बेटे ने पुलिस को बताया कि दोपहर को उनके टैंपो का ड्राइवर रिटाला निवासी शक्ति उसके पिता से बार-बार पैसे मांग रहा था। कहासुनी के दौरान शक्ति ने अचानक उसके पिता पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने बेटे के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। इसी बीच 8 अक्तूबर को जितेंद्र यादव ने दम तोड़ दिया। इस पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया। थाना प्रभारी करुणा सागर के नेतृत्व में पुलिस ने तकनीकी जांच कर आरोपी शक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह जितेंद्र के टैंपो का चालक था। उसका काम के भुगतान को लेकर विवाद था। जितेंद्र भुगतान पूरा नहीं कर रहा था इसलिए उसने सबक सिखाने के लिए हमला किया। जांच में पता चला कि शक्ति पर पहले से लूट और डकैती के दो मामले दर्ज हैं।

जाम का सबब बन रहा सड़क पर पड़ा मलबा

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। कड़कड़ी मोड़ फ्लाईओवर से लेकर हसनपुर बस डिपो तक करीब पांच सी मीटर तक सड़क पर जगह-जगह मलबा पड़ा हुआ है। वहीं, शहरपुर स्कूल ब्लॉक स्थित अक्षरधाम-नोएडा रोड की ओर जाने वाले मार्ग पर भी मलबा पसरा हुआ है। इससे आवाजाही प्रभावित हो रही है और सड़क हादसे की आशंका भी बनी रहती है। इस वजह से चालक सतर्कता से धीरे-धीरे निकलते हैं और जाम जैसी स्थिति बन जाती है। लोगों का कहना है कि व्यस्त समय में इलाके से गुजरने पर हालत खराब हो जाती है। गाड़ियां सड़क पर रंगते हुए नजर आती हैं। गाजीपुर सब्जी मंडी जा रहे प्रमोद कुमार ने बताया कि सड़क पर मलबा होने की वजह से सड़कें संकरी हो गई हैं। वाहन बहुत धीरे-धीरे चलते हैं जिस वजह से इलाके में जाम लग जाता है। उन्होंने बताया कि कई बार तो काफी देर तक गाड़ियां अपनी जगह से हिलती भी नहीं हैं। ऐसे में समय खराब हो जाता है। कड़कड़म्हा निवासी आलोक ने बताया कि कड़कड़ी मोड़ फ्लाईओवर के पास कई महीनों से मलबे का ढेर पड़ा हुआ है। यह दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रहा है। आसपास के लोग भी यहां पर मलबा डालकर चले जाते हैं। लक्ष्मी नगर निवासी अनिल त्यागी ने दावा किया कि शहरपुर स्कूल ब्लॉक के पास मलबा न डालने का बोर्ड लगा होने के बावजूद यहां पर मलबा फेंका जा रहा है। इस वजह से इलाके में जाम लग जाता है। प्रीत विहार निवासी अकष ने बताया कि हसनपुर बस स्टॉप से लेकर कड़कड़ी मोड़ तक कई महीनों से मलबा पड़ा हुआ है, जिस पर अधिकारियों का ध्यान नहीं जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि यह मलबा हादसे को दावत दे रहा है। वहीं, अधिकारी लापरवाह बने हुए हैं, शायद उन्हें किसी बड़े हादसे का इंतजार है।

सीएनजी बस में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। मोरी गेट इलाके में शुक्रवार सुबह क्लस्टर की सीएनजी बस में आग लग गई। आग लगते ही अफरातफरी मच गई। आग लगने के दौरान बस में चार-पांच सवारियां बैठी थीं, जो सुरक्षित बाहर निकल गईं। सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। एक घंटे में दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। दमकल विभाग के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 11.15 बजे सूचना मिली कि तीस हजारी सर्कल मोरी गेट के पास एक बस में आग लग गई है। सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और एक घंटे के भीतर आग पर काबू पा लिया। जांच में पता चला कि बस सवारियों को लेकर मोरी गेट पहुंची थी। ताकि भविष्य में स्थायी समाधान निकाला जा सके। यह पूरी प्रक्रिया डिजिटल इंडिया मिशन और स्मार्ट हाइवे मैनेजमेंट की दिशा में भी अहम कदम माना जा रही है।इसी दौरान इंजन से धुआं निकलने लगा। धुआं निकलते ही चालक और कंडक्टर में सुझबुझ का परिचय देते हुए बस को किनारे रोक दिया और यात्रियों को बाहर निकाल लिया। इसी दौरान इंजन से आग की लपटें निकलने लगीं और कुछ ही देर में आग पूरी बस में फैल गई। बस में कोई हताहत नहीं हुआ है। पुलिस आग लगने के कारणों की जानकारी के लिए बस की तकनीकी जांच करवा रही है।

कूड़े से आजादी अभियान में एमसीडी फेल, मंत्री की बैठक में नहीं पहुंचे आयुक्त सरकार अब एक्शन के मूड में

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली को कूड़े से आजादी दिलाने के नाम पर दो महीने से चले लंबे अभियान की अब पोल खुलने लगी है। दिल्ली सरकार के अभियान की समीक्षा बैठक में शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने एमसीडी के कामकाज पर तीखी नाराजगी जाहिर की। इतनी अहम समीक्षा बैठक में एमसीडी के आयुक्त ही नहीं पहुंचे। उनकी अनुपस्थिति ने सरकार की नाराजगी को और बढ़ा दिया।

सूत्रों के अनुसार, आशीष सूद ने कहा कि जिस तात्कालिकता और गंभीरता से यह अभियान चलाया जाना चाहिए था, वह जमीन पर कहीं दिखाई नहीं दी। जनता को दिखावे नहीं, नतीजे चाहिए। उन्होंने एमसीडी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ महापौर राजा इकबाल सिंह,



स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा और नेता सदन प्रवेश वाही को भी जमकर फटकार लगाई। मंत्री ने कहा कि गली-मोहल्लों में नियमित कूड़ा उठान और सफाई

व्यवस्था में सुधार के मामले में नतीजे निराशाजनक रहे हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार ने अभियान को सफल बनाने के साथ-साथ भविष्य में सफाई व्यवस्था को

दो मंजिला मकान गिरा, महिला की मौत, पांच साल की बेटी घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तम नगर के हस्तसाल गांव में शुक्रवार दोपहर दो मंजिला मकान भरभराकर गिर गया। मकान गिरते ही अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल, पुलिस, एनडीआरएफ और राहत से जुड़ी अन्य एजेंसियों के कर्मचारी मौके पर पहुंच गए। कुछ देर में बचाव दल ने मलबे से मकान मालिक नीरज की पांच साल की बेटी और पत्नी को बाहर निकालकर अस्पताल में पहुंचाया। डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया।मृतका की पहचान 33 साल की पूनम के रूप में हुई। घायल बच्ची नव्या को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। मलबे में अन्य लोगों के फंसे होने की आशंका को देखते हुए एजेंसियां मलबा हटाने के काम में जुट गई लेकिन नीचे और कोई नहीं मिला। शुरुआती जांच में पता चला कि मकान जर्जर हालत में था। पुलिस मकान गिरने के कारणों की जांच कर रही है। दमकल अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार दोपहर 3.10 बजे उत्तम नगर के हस्तसाल गांव में दो मंजिला मकान गिरने और उसमें कुछ लोगों के दबे होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। मकान गिरने के बाद आसपास के लोग तुरंत भागकर वहां पहुंचे और मलबा हटाने के काम में जुट गए। थोड़ी ही देर में गली में सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई।

अमेरिका में शटडाउन का 10वां दिन, चार हजार से ज्यादा संघीय कर्मचारियों को छंटनी का नोटिस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में सरकारी शटडाउन का अब तक कोई हल नहीं निकल पाया है। 10वें दिन शुक्रवार को चार हजार से ज्यादा संघीय कर्मचारियों को छंटनी के नोटिस भेजे गए। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि छंटनी के नोटिस भेजने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उधर, इस मसले पर कैपिटल हिल में गतिरोध जारी है। सरकार को उबारने के डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन प्रस्ताव गुरुवार को सीनेट में आगे नहीं बढ़ पाए। एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, हाउस स्पीकर माइक जोर्नसन ने कहा कि वह सरकारी शटडाउन के बीच सदन में कोई अलग विधेयक पारित नहीं कराएंगे। इस बीच टंप प्रशासन ने माना है कि संघीय एजेंसियों ने सरकारी शटडाउन के दौरान कर्मचारियों की संख्या में कमी (आरआईएफ) के नोटिस भेजे हैं। अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्प्लॉइज और एएफएल-सीआईओ ने शटडाउन के खिलाफ दायर एक संयुक्त मुकदमे में दावा किया है कि प्रबंधन एवं बजट कार्यालय ने कहा है कि सात संघीय एजेंसियों के 4,000 से अधिक कर्मचारियों को छंटनी के नोटिस मिले हैं। संगठन ने कहा कि शुक्रवार शाम तक, वित्त मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग और शिक्षा विभाग ने सबसे अधिक नोटिस भेजे हैं। दावे के अनुसार, निम्नलिखित प्रतिवादी एजेंसियों ने आज से विनियोजन में चूक से संबंधित आरआईएफ नोटिस जारी करना शुरू कर दिया है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की कि सरकारी शटडाउन के बीच शुक्रवार को संघीय कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर छंटनी शुरू हो गई है। इससे पहले, व्हाइट हाउस के प्रबंधन एवं बजट कार्यालय (ओएमबी) के निदेशक रस वॉट ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था, आरआईएफ शुरू हो गए हैं। ट्रंप ने कहा है कि इस स्थिति के लिए डेमोक्रेट्स जिम्मेदार हैं।

गाजा में युद्धविराम के बाद इजराइली सैनिकों के पीछे हटते ही हजारों फिलिस्तीनी घर लौटे

गाजा पट्टी, एजेंसी। गाजा पट्टी में शुक्रवार को युद्धविराम के प्रभावी होते ही इजराइल की सेना ने पीछे हटना शुरू कर दिया। इस दौरान हजारों फिलिस्तीनी अपने घर लौट आए। अपने शहरों में हुए विनाश को देखकर वह निराश महसूस कर रहे हैं। युद्धविराम लागू होते ही बिना एक पल गंवाए हजारों फिलिस्तीनियों ने गाजा के दक्षिण से गाजा शहर की ओर लंबी और घूल भरी पैदल यात्रा शुरू की। रास्ते में खंडहरों में तब्दील शहर देखकर लोगों की आंखें फटी की फटी रह गईं। सीएनएन न्यूज चैनल के प्रसारण में घरवापसी पर व्यापक चर्चा की गई है। सात अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले के बाद से इस पट्टी में युद्ध छिड़ गया था। इससे उत्तरी गाजा की लगभग पूरी आबादी विस्थापित हो गई थी। पिछले दो वर्षों में यह इलाका मलबे में तब्दील हो चुका है। रिपोर्ट के अनुसार, हवाई फुटेज में सिर्फ खंडहर नजर आ रहे हैं। वहां न तो कोई बुनियादी ढांचा है।

AIIMS में 20 लाख की सर्जरी अब 20 हजार में, देश का पहला रोबोटिक किडनी ट्रांसप्लांट किया, इनके लिए निशुल्क

नई दिल्ली,एजेंसी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने रोबोटिक किडनी ट्रांसप्लांट को किरायाती बनाकर चिकित्सा क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। एम्स अस्पताल के प्रशासन का दावा है कि जहां निजी अस्पतालों में इस सर्जरी के लिए 20 लाख रुपये से अधिक खर्च होते हैं, वहीं एम्स में यह निशुल्क या मात्र 20 से 25 हजार रुपये में संभव हो रहा है।

यही नहीं, इसकी सबसे खास बात यह है कि आरुग्म्यान भारत कार्डधारकों के लिए यह सुविधा निशुल्क भी उपलब्ध होगी। शुक्रवार को सर्जरी एवं रीनल

बेहतर बनाने के लिए हर स्तर पर सहयोग दिया, लेकिन एमसीडी का रखा डीला और मनमना बना रहा। जब अफसर ही जिम्मेदारी से भागेगे तो कर्मचारी और ठेकेदार कैसे जवाबदेह बनेंगे? बैठक में पेश की गई रिपोर्ट में यह बात सामने आई कि कई जोन में कूड़ा प्रबंधन की स्थिति जस की तस है। डोर-टू-डोर कलेक्शन अधूरा है, सेग्रिगेशन (गैले-सूखे कचरे का पृथक्करण) में लापरवाही बरती जा रही है और रीसाइक्लिंग इकाइयों तक कचरा पहुंचने की प्रक्रिया बाधित है। इसके अलावा कूड़ा उठाने के लिए लोडर व अन्य वाहन नहीं खरीदे गए। मंत्री ने निर्देश दिया कि इस स्थिति में तत्काल सुधार लाया जाए, अन्यथा कार्रवाई तय है।

मंत्री ने एमसीडी की उच्च स्तरीय

समन्वय बैठकों की भी समीक्षा की और पूछा कि यदि नियमित निगरानी बैठकें हो रही थीं, तो जमीन पर सुधार क्यों नहीं दिख रहा। उन्होंने इस बात पर भी असंतोष जताया कि निगम प्रशासन की ओर से कई बार मांगी गई प्रगति रिपोर्ट समय पर नहीं दी गई। इस संबंध में एक बार सरकार की ओर से एमसीडी को पत्र लिखा गया था। मंत्री ने कहा कि सरकार दिल्ली को कूड़े से मुक्ति दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन अगर एमसीडी ने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई तो सीधे जवाबदेही तय होगी। शहरी विकास मंत्री ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि सरकार अब एमसीडी से जवाब तलब करेगी और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई से भी पीछे नहीं हटेगी।



ट्रांसप्लांट विभाग के प्रो. वीके बंसल और विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील चुम्बर ने इस बात में जानकारी दी। एम्स में आयोजित एक कार्यक्रम में दावा किया गया कि आठ अक्तूबर को एम्स में 27

वर्षीय मरीज का रोबोट-सहायता से किडनी ट्रांसप्लांट किया गया। यह तीन सितंबर से अब तक की पांचवीं सर्जरी थी। सर्जरी विभाग के प्रो. वीके बंसल ने बताया कि दा विंची सर्जिकल रोबोट की मदद

विशाल सैन्य परेड और सबसे शक्तिशाली हथियारों का जखीरा, किम जोंग-उन ने फिर दुनिया को चौंकाया

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग-उन के नेतृत्व में सत्तारूढ़ दल ने अपनी स्थापना का 80वां वर्षगांठ का जश्न मनाया। किम जोंग और विदेशी नेताओं की मौजूदगी में आयोजित विशाल सैन्य परेड में उत्तर कोरिया ने एक बार फिर दुनिया को चौंका दिया। इस दौरान किम जोंग ने अपनी परमाणु-सशस्त्र सेना के सबसे शक्तिशाली



हथियारों का प्रदर्शन किया, जिसमें एक नई अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) भी शामिल है। जिसका परीक्षण वह आने वाले हफ्तों में करने की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक शुक्रवार रात बारिश में शुरू हुई और सत्तारूढ़ वर्क्स पार्टी की स्थापना की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित परेड ने किम की बढ़ती कूटनीतिक पकड़ और एक ऐसा शस्त्रागार बनाने के प्रयास को उजागर किया, जो अमेरिका और एशिया में उनके प्रतिद्वंद्वियों को प्रभावी ढंग से निशाना बना सके।

सैन्य परेड में हथियारों का जखीरा : उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि परेड में ह्वासोंग-20 नामक एक नई, अभी तक परीक्षण ना की गई अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का प्रदर्शन किया गया, जिसे सबसे शक्तिशाली परमाणु रणनीतिक हथियार प्रणाली बताया गया। प्रदर्शन में शामिल

अन्य हथियारों में कम दूरी की बैलिस्टिक, रक्तज और सुपरसोनिक मिसाइलें शामिल थीं, जिन्हें उत्तर कोरिया ने पहले प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया में लक्ष्यों पर परमाणु हमला करने में सक्षम बताया था।

अमेरिका का नहीं किया

सीधा जिक्र: उत्तर कोरिया की आधिकारिक केसीएनए समाचार एजेंसी के अनुसार, परेड में दिए गए भाषण में किम ने कहा कि उनकी सेना को एक अजेय शक्ति के रूप में विकसित होते रहना चाहिए जो सभी खतरों को खत्म कर दे, लेकिन उन्होंने वाशिंगटन या सियोल का कोई सीधा जिक्र नहीं किया।

रूस भेजी गई सैन्य टुकड़ी का प्रदर्शन: रूस की IAS समाचार एजेंसी की तस्वीरों और वीडियो में हजारों दर्शकों को किम जोंग उन के राष्-संस्थापक दादा के नाम पर जगमगाते किम इल सुंग स्क्रायर पर मिसाइलें लग वाहनों के गुजरते हुए दिखाया गया है।

केसीएनए के मुताबिक परेड के दौरान मार्च करने वाले सैनिकों की टुकड़ियों में अजेय विदेशी संचालन इकाई शामिल थी, जिसने कोरियाई लोगों के जज्बे का पूरी तरह से प्रदर्शन किया, जिससे पता चलता है कि वे सैनिक थे, जिन्हें किम ने युक्रेन के खिलाफ युद्ध प्रयास में शामिल होने के लिए रूस भेजा था। बता दें कि यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से किम ने रूस को अपनी विदेश नीति की प्राथमिकता बना लिया है, पुतिन की युद्धक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एशिया और सैनिक और तोपखाने सहित बैलिस्टिक मिसाइलों व हथियारों की बड़ी खेप भेज रहे हैं। किम ने पिछले महीने चीन का भी दौरा किया था और एक विशाल सैन्य परेड में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और पुतिन के साथ मुख्य मंच साझा किया था, जो उनकी कूटनीतिक पकड़ को मजबूत करने के उद्देश्य से एक और कदम था।

गाजा में युद्धविराम प्रभावी, इजराइली सैनिकों की वापसी शुरू



में वापसी की शुरुआत भी शामिल है। सीएनएन न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, युद्धविराम प्रभावी होते ही इजराइली सैनिकों की वापसी के साथ ही

हजारों फिलिस्तीनी उत्तरी गाजा में अपने घरों को लौटने लगे हैं। संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत डेनो डैनन ने आज कहा कि शांति योजना के पहले चरण में

गए हैं। उन्होंने कहा कि अगले अर्निश्चित चरणों के दौरान हम अभी भी आसपास मौजूद रहेंगे और बहुत ध्यान से देखेंगे कि क्या हो रहा है।

इस समय संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के सैकड़ों टुक चिकित्सा आपूर्ति और अस्पताल उपकरणों के साथ गाजा में प्रवेश करने के लिए तैयार हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने ने बुधवार को घोषणा की थी कि मिश्र के लाल सागर स्थित शहर शर्म अल-शेख में वार्ता के बाद इजराइल और हमास दोनों ने गाजा में शांति योजना के पहले चरण पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। उधर, इजराइली सरकार ने गुरुवार को इस समझौते की पुष्टि भी की। एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सैनिक एक समन्वय केंद्र स्थापित करने के लिए इजराइल पहुंचने लगे हैं। अब तक 200 सैनिक पहुंच चुके हैं। यह सभी गाजा में युद्धविराम समझौते के कार्यान्वयन की निगरानी करेंगे। अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, इजराइल भेजे गए सैनिक परिवहन, योजना, रसद, सुरक्षा और इंजीनियरिंग में विशेषज्ञ हैं।

प्रधानमंत्री ने किया पीएम धन धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ

जिले के विकास में मील का पत्थर साबित

होगी पीएम धन धान्य कृषि योजना : सांसद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर, पूसा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान देश के किसान भाई-बहनों को 42,000 करोड़ रुपये से अधिक की कृषि परियोजनाओं का उपहार दिया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने पीएम धन धान्य कृषि योजना, दलहन आत्मनिर्भरता मिशन तथा राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन का शुभारंभ किया। साथ ही उन्होंने कृषि अवसंरचना कोष, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की 1100 से अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन अटल ऑडिटोरियम सीधी में किया गया, जिसमें सांसद डॉ. राजेश मिश्रा मुख्य अतिथि, विधायक सीधी रीती पाठक अध्यक्षता तथा जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह विशिष्ट अतिथि रही।

सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने अपने उद्बोधन में सीधी जिले

को पीएम धन धान्य कृषि योजना के लिए देश के 100 जिलों में शामिल किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह योजना सीधी जिले के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगी। जिले की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है कृ इस योजना से कृषि क्षेत्र में उत्पादन, उत्पादकता और रोजगार के नए अवसर बढेंगे, जिससे किसान खुशहाल और आत्मनिर्भर बनेगा। सांसद ने किसानों से केमिकल आधारित खेती छोड़कर प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि रासायनिक खाद और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति घटती है, जल स्रोत प्रदूषित होते हैं, और फसलों की पौष्टिकता में कमी आती है। इसके विपरीत, प्राकृतिक खेती से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार, पानी की बचत, फसल की दीर्घकालीन उत्पादकता, तथा किसानों की आय में स्थायित्व आता है। सांसद ने अधिकारियों को योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश भी दिए।

विधायक रीती पाठक ने

योजनाओं ने किसानों के जीवन को सहज बनाने के साथ-साथ उन्हें तकनीकी रूप से सशक्त और आर्थिक रूप से मजबूत किया है। विधायक ने कहा कि सरकार की ये योजनाएँ केवल सहायता नहीं हैं, बल्कि किसानों को उत्पादक से उद्यमी बनाने की दिशा में बड़ा कदम हैं। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे इन योजनाओं का लाभ लेकर नवाचार और आधुनिक तकनीक से जुड़ें ताकि सीधी जिला कृषि आत्मनिर्भरता का मॉडल बन सके।

उपसंचालक कृषि राजेश सिंह चौहान ने योजना के

लापता व्यक्ति का शव खेत में मिला, तीन दिन पहले निकला था घर से; परिजन बोले हत्या हुई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में तीन दिन से लापता एक व्यक्ति का शव धान के खेत में मिला है। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के पिपरोहर गांव की है। जानकारी के अनुसार, पिपरोहर निवासी मधुसूदन सिंह चौहान 8 अक्टूबर की सुबह घर से निकले थे। इसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल रहा था। परिवारजनों ने कई जगहों पर उनकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

शुक्रवार देर रात करीब 12 बजे ग्रामीणों ने धान के खेत में मधुसूदन सिंह का शव देखा। इसकी सूचना मिलते ही पूरे गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पाकर सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच शुरू की। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की गई और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

शनिवार दोपहर करीब 1 बजे पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक के भाई आकाश सिंह ने आरोप लगाया है कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या का मामला है। उन्होंने कहा कि समय पर तलाश की जाती तो शायद मधुसूदन की जान बच सकती थी।

थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल ने बताया कि धान के खेत में शव मिलने की सूचना पर मर्ग कायम किया गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है और पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

जन्मजात विकृति, मुड़े हुए पैर के बच्चों का हुआ निःशुल्क उपचार



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जन्मजात विकृति (मुड़े हुए पैर) से ग्रसित बच्चों का निःशुल्क उपचार जिले में किया जा रहा है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, सीधी के अंतर्गत अनुष्का फंडेशन के सहयोग से जिला चिकित्सालय सीधी में क्लबफुट (ब्सनइविवज) ग्रसित बच्चों का नियमित रूप से उपचार किया जा रहा है।

हर शुक्रवार को जिला अस्पताल में क्लबफुट क्लीनिक का आयोजन होता है, जहाँ बच्चों का परीक्षण एवं निःशुल्क उपचार किया जाता है। क्लबफुट के इलाज में स्ट्रेचिंग, साप्ताहिक कास्टिंग, टेनोटोमी और ब्रेसिंग जैसी चिकित्सीय प्रक्रियाओं का उपयोग किया जाता है। पिछले एक वर्ष छह माह में अब तक

कलेक्टर ने गर्ल्स हॉस्टल की खराब व्यवस्था पर एक्शन लिया, दो अधीक्षकों को नोटिस जारी कर 3 दिनों में जवाब मांगा



मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के कचनी स्थित अनुसूचित जाति जनजाति जूनियर और सीनियर छात्रावासों में खराब व्यवस्था की शिकायतों पर कलेक्टर गौरव बेनल ने तत्काल कार्रवाई की है। उन्होंने छात्रावास अधीक्षिकाओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया और एसी ट्राइबल को जांच के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने बताया कि छात्रावास में रहने वाली बालिकाओं ने उनसे शिकायत की थी कि छात्रावास की स्थिति बेहद खराब है। उन्हें खाने में खराब भोजन दिया जाता है, बिजली की समस्या है, और शौचालय व बाथरूम में साफ-सफाई नहीं रहती, जिससे काफी परेशानी होती है। छात्राओं ने कर्मचारियों के खराब व्यवहार की भी शिकायत की।

कलेक्टर ने तीन दिन के

12 अक्टूबर को रखरखाव कार्य के चलते विद्युत प्रदाय रहेगा बंद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अधीक्षण अभियंता (संचालन - संधि) म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं. लिमि. सीधी ने जानकारी देकर बताया है कि 12 अक्टूबर (रविवार) को प्रातः 11 बजे से सायं 05 बजे तक सीधी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में विद्युत प्रदाय बंद रहेगा। यह अवधि 220 के.वी. उच्च दाब विद्युत उपकेंद्र, सीधी में रखरखाव एवं तकनीकी उन्नयन कार्य के कारण रहेगा। इस दौरान 132 के.वी. बे में 132 के.वी. सिंहावल उपकेंद्र के लिए अतिरिक्त 132 के.वी. लाइन को जोड़ा जाकर चार्ज किया जाएगा।

वाहन चेकिंग के दौरान तस्कर गिरफ्तार, 2 किलो गांजा जब्त; दो साल से पुलिस को दे रहा था चकमा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। दो साल से पुलिस को चकमा दे रहे एक गांजा तस्कर को पोड़ी पुलिस ने शनिवार दोपहर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से 2 किलो अवैध गांजा जब्त किया गया है। पुलिस ने उसे वाहन चेकिंग के दौरान पकड़ा और एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

यह कार्रवाई थाना प्रभारी अरुणा द्विवेदी के निर्देश पर पोड़ी चौकी प्रभारी डीके रावत ने की। पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम ददरी रोड से एक

अहिरवार सिंह (32 वर्ष), पिता बाबूलाल सिंह, निवासी मिठौली, थाना जैतपुर, जिला शहडोल के रूप में हुई। पुलिस ने मौके से जब्त गांजे की कीमत 25,000 रुपए, बाइक की कीमत 80,000 रुपए और एक मोबाइल की कीमत 7,000 रुपए बताई है।

अलग-अलग रास्ते से निकाल जाता: चौकी प्रभारी डीके रावत ने बताया कि आरोपी लंबे समय से अलग-अलग रास्तों और बाइक का उपयोग कर तस्करी करता था और हर बार पुलिस को चकमा देकर भाग निकलता था।

तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक्सवार को मारी टक्कर, ग्रामीण बोले- आमने-सामने से हुई टक्कर; सड़क पर गिरा युवक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के मझौली जनपद क्षेत्र के ग्राम ताला में शनिवार शाम एक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार बोलेरो वाहन ने ग्राम बंजारी निवासी आशीष यादव की बाइक को टक्कर मार दी, जिससे आशीष नाम का युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल सीधी रेफर किया गया है। यह घटना उस समय हुई जब आशीष यादव अपनी बाइक से किसी काम से गांव की ओर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बोलेरो चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और सामने से आ रहे बाइक सवार को सीधी टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया।

टक्कर इतनी भीषण थी कि आशीष यादव सड़क पर गिर पड़े और उन्हें गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें ऑटो से मझौली अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल सीधी रेफर कर दिया। बताया गया है कि घायल आशीष

के दाहिने पैर में फ्रैक्चर है और सिर पर भी गहरी चोटें आई हैं।

घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल चौकी प्रभारी आर.पी. मांझी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि घायल युवक की पहचान हो गई है और उसकी शिकायत के आधार पर अज्ञात बोलेरो वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है और फरार चालक की तलाश जारी है।

जनपद मझौली में दिव्यांग बच्चों के लिए मेडिकल बोर्ड शिविर आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचित सोमवंशी के निर्देशन एवं ए.सी.ई.ओ. जिला पंचायत धनंजय मिश्रा के मार्गदर्शन में जिले के समस्त 0 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों में दिव्यांगता की त्वरित पहचान एवं प्रमाण पत्र जारी करने हेतु 22 सितम्बर से 14 नवम्बर 2025 तक जिलेभर में स्क्रीनिंग एवं मेडिकल बोर्ड शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में शनिवार को जनपद मझौली में मेडिकल बोर्ड शिविर आयोजित किया गया, जिसमें कुल 106 बच्चों का पंजीकरण किया गया तथा चिकित्सा परीक्षा के उपरांत 12 बच्चों को प्रमाणपत्र (यू.डी.आई.डी. कार्ड) जारी

किए गए। शिविर में मेडिकल बोर्ड के विशेषज्ञ चिकित्सक - डॉ. रवि पटेल (मानसिक रोग विशेषज्ञ), डॉ. हिमेश पाठक (नाक, कान एवं गला रोग विशेषज्ञ), डॉ. अविनाश जान धुर्वे (मेडिसिन विशेषज्ञ) एवं डॉ. के.बी. प्रजापति (ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ) द्वारा परीक्षण कार्य संपादित किया गया।

इसके अतिरिक्त जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, सीधी की टीम - दीपक त्रिपाठी, नम्रता मिश्रा (ए.ओ.), एवं शिवांसु

शुक्ला (ट्रांसडिस्प्लिनरी विशेष शिक्षक) द्वारा संभावित दिव्यांग बच्चों की स्क्रीनिंग एवं पहचान, आवश्यक दस्तावेजों का संकलन एवं सत्यापन, अभिभावकों को यू.डी.आई.डी. कार्ड प्रक्रिया की जानकारी प्रदान करना, बच्चों को मेडिकल बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करना, तथा प्रमाण पत्र जारी होने के उपरांत यू.डी.आई.डी. पोर्टल पर डेटा प्रविष्टि एवं ट्रैकिंग का कार्य सुनिश्चित किया गया। यह अभियान सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार जिले के सभी विकासखंडों में चरणबद्ध रूप से संचालित किया जा रहा है, ताकि कोई भी योग्य दिव्यांग बच्चा शासन की सुविधाओं से वंचित न रहे।

सोन नदी में नहाते समय नाबालिग लापता

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। सोहागपुर थाना क्षेत्र में नवलपुर सोन नदी में पिकनिक मनाने के दौरान 14 वर्षीय नाबालिग अंश पनिका लापता हो गया है। यह घटना शनिवार दोपहर को हुई जब वह अपने दोस्तों के साथ नदी में नहाने गया था। लापता बालक का नाम अंश पनिका है, जो बुढ़ार के वार्ड नंबर एक का निवासी है। उसके दोस्तों ने बताया कि वे नवलपुर सोन नदी में पिकनिक मना रहे थे और नहाते समय अंश अचानक नदी के तेज बहाव में बह गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने एसडीईआरएफ टीम को बुलाया। टीम लापता बालक की तलाश में जुटी हुई है।

भाजपा की खिचड़ी में मिर्चे

भाजपा की खिचड़ी में मिर्चे इतनी हो गई कि अब ममक को हलाल करना मुश्किल हो रहा है। एक बड़े बयान की मधानी ने सारा परिदृश्य बिलोल के रख दिया, तो बात 2017 के बाद 2022 के चुनाव तक की हैसियत और हसरत तक पहुंच गई। हर चुनाव के नायक को खब कुछ मिल जाए, यह भी संभव नहीं और अगर उस राजनीतिक आपदा में सुजानपुर किले की दीवार न गिरी होती, तो आज की भाजपा कहीं और खड़ी होती। अब पार्टी के प्रभारी श्रीकान्त

शर्मा जी चाहे एकजुटता की कार्यशाला में सार्वजनिक मंचों की बयानबाजी को खारिज करें या हिदायत दें, लेकिन भाजपा के भीतरी विभाजन स्पष्ट हैं। पूर्व मंत्री रमेश धवाला की बयानबाजियों पर अगर पार्टी कारण बताओ नोटिस चर्स्यां करती है, तो यह कांगड़ा की बेचार्गी है क्योंकि पिछली तमाम सत्ताओं के बीच डूबे तो यहीं के नेता। इसी भंवर से निकले रमेश धवाला अगर जवाब में सत्य उाल रहे हैं, तो क्या प्रदेशाध्यक्ष इस खाई से पार्टी से ठुकराए

गए नेताओं को बचाकर बाहर निकालेंगे। ऐसा भी नहीं है कि जो भाजपा कर रही या करती रही, उससे कहीं उल्ट काग्रेस में कोई अंतर है। जनता जानती है कि काग्रेस में कौन पीछे धकेले गए या भाजपा के भीतर कितने ताज लड़ रहे हैं। काग्रेस के अध्यायों में वीरभद्र सिंह बनाम आलाकमान भी होता रहा है, नतीजतन पार्टी की लीोरियां उनके

देहावसान के बाद बदल गईं। यह नई काग्रेस की नई नहीं है कि जो भाजपा कर रही थी अपना नया प्रदेशाध्यक्ष नहीं खोज पा रही। भाजपा में आलाकमान इतनी शक्तिशाली है कि यहां मुकाबला पार्टी और संघ परिवार के बीच समीकरणों का रहा और रहेगा। यहां बयान भी सहमत हैं और बचाव भी सहमत है। इस घर के भीतर घरवाले और मेहमान भी

परेशान हैं। विद्यार्थी परिषद के बागीचे में जितने गुल खिलते रहे, उतने ही सत्ता के पुष्पहार पसदीदा नेताओं के गले में पड़ते रहे हैं। ऐसे में जिस प्रदेश से भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष लंबी पारी खेल रहा हो, वहां आक्रोश और आक्रोश का समाधान, अपनी अनुमतियों की रंगत के बिना तो नहीं ठहर सकता। भाजपा के शिखर और ताज के लिए अभी मैदान खुला है, लेकिन विडंबना यह कि हिमाचल के राजनीतिक फैसले केवल मंडी और

हमीरपुर संसदीय क्षेत्रों में ही होने लगे। यह दीगर है कि काग्रेस सरकार में सबसे अहम व अधिक मंत्री शिमला संसदीय क्षेत्र से ही बनाए गए और घोषित तौर पर पार्टी अध्यक्ष का पद प्रतिभा सिंह के बाद इसी भूखंड के किसी विधायक या मंत्री को देने की सहमति बन रही है। हिमाचल में इस तरह कांगड़ा संसदीय क्षेत्र का राजनीतिक पिछड़ापन समझा जा सकता है। इसके कई कारण हैं और यह भाजपा-काग्रेस में एक समान दिखाई दे रहे हैं।

छिलकों की छावड़ी दूरदृष्टि वाले नेता

गुरभीत बेदी

नेताजी दूरदर्शी हैं। इतनी दूर की सोचते हैं कि कई बार जनता को लगता है, नेताजी भविष्य नहीं, परलोक की योजना बना रहे हैं। राजनीति के हर मोड़ पर उन्होंने एक ही मंत्र अपनाया है- ‘दूर की सोचो, पास वालों से सावधान रहो।’ यही कारण है कि आज वे न केवल अपने दल के भरोसेमंद सदस्य हैं, बल्कि विपक्ष के भी सम्मानित ‘क्वाट्सएप ग्रुप’ के सदस्य हैं। नेताजी कहते हैं- ‘राजनीति एक नदी है, जिसमें तैरना भी है और बहना भी।’ और नेताजी ने दोनों कलाएं साथ ली हैं। जब सत्ता की लहर तेज हो तो तैरते हैं, और जब विरोध का ज्वार उठे तो बह जाते हैं। जनता समझती है कि नेताजी संघर्ष कर रहे हैं, जबकि असल में नेताजी बस धारा का रुख देखकर दिशा बदल रहे होते हैं। उनकी दूरदर्शिता का एक और नमूना है कि वे हर दल की विचारधारा से थोड़ा-थोड़ा सहमत रहते हैं। इससे उन्हें किसी भी दल में फिट होने में दिक्कत नहीं होती। वे काग्रेस से लोकतंत्र का पाठ पढ़ते हैं, भाजपा से राष्ट्रवाद का, आम आदमी पार्टी से सादगी का, और क्षेत्रीय दलों से ‘विकास’ के वादे का। कुछ नतीजा निकले या न निकले, नेताजी हर जगह अपने को ‘योग्य प्रत्याशी’ घोषित करते रहते हैं। पार्टी मीटिंग में नेताजी सबसे आगे बैठते हैं, लेकिन कैमरा देखते ही पीछे खिसक जाते हैं। वजह यह कि अगर भविष्य में दल बदलना पड़े तो पुरानी तस्वीरें नई पार्टी के लिए सबूत न बन जाएं। नेताजी की पत्नी कहती हैं कि वे इतने सतर्क हैं कि शादी के फोटो में भी दूरी बना कर खड़े रहते हैं, नहीं भविष्य में तलाक हो जाए तो ‘प्रॉक्सिमिटी क्लिप’ काम न आ जाए। एक बार किसी पत्रकार ने उनसे पूछा- ‘नेताजी, आप किस विचारधारा को मानते हैं?’ नेताजी मुस्कराए, ‘विचार तो वही ठीक है जो चुनाव जिताए।’

हारे वाले विचार से बड़ा कोई बोझ नहीं।’ पत्रकार हतप्रभ रह गया, पर नेताजी के समर्थकों ने इस बयान को ‘राजनीतिक दर्शन’ कहकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। नेताजी को भविष्य की राजनीति का पूरा खाका पता है। वे कहते हैं कि आने वाले समय में दल नहीं, ‘डेटा’ चलेंगे। चुनाव टिकट नहीं, बल्कि टेंड से मिलेंगे। इसलिए उन्होंने अभी से अपने फेसबुक पर हर दल के पेज को ‘लाइक’ कर रखा है। उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता कि पोस्ट मोदीजी की है या राहुलजी की, वे हर पोस्ट पर एक ही कमेंट करते हैं- ‘अद्भुत विचार! देश को ऐसे ही नेताओं की जरूरत है।’ यही वजह है कि नेताजी हर जगह स्वीकार्य हैं, बस जनता को छोड़कर। नेताजी के अनुसार राजनीति में टिके रहने के लिए तीन गुण जरूरी हैं- समझौता, मुस्कान और मोबाइल। समझौता इसलिए कि कब कौन दोस्त बन जाए, कब कौन दुश्मन, इसका कोई भरोसा नहीं। मुस्कान इसलिए कि हर झूठ सच्चाई जैसा लगे। और मोबाइल इसलिए कि किस वक्त किस ग्रुप में होना है, यही राजनीति का असली मंत्र है। कई बार उनके विरोधी कहते हैं कि नेताजी अवसरवादी हैं। नेताजी हंसे हैं- ‘भैया, अवसर को पहचान लेना ही तो दूरदर्शिता है। जो वक्त देखकर चलना जानता है, वही आगे बढ़ता है।’ उन्हें लगता है कि जो नेता एक ही पार्टी में टिके रहते हैं, वे या तो बहुत ईमानदार हैं या बहुत मूर्ख। और ईमानदारी आजकल वोटों में नहीं बदलती। उनकी दूरदर्शिता की एक और मिसाल है, वे हर चुनाव से छह महीने पहले अपनी ‘बीमारी’ की अफवाह उड़ा देते हैं। फिर अचानक ठीक होकर नए दल में शामिल हो जाते हैं। जनता सोचती है- ‘देखो, नेताजी की वापसी कितनी जोश से हुई है।’ असल में नेताजी को यह भी डर रहता है कि अगर किसी कारण से टिकट न मिले तो बीमारी बहाना बन जाए। उनके घर की दीवार पर एक बड़ा कैलेंडर टंगा है- ‘चुनाव विशेष कैलेंडर।’ हर महीने के साथ लिखा है- ‘इस माह किस पार्टी से बात करनी है।’ ‘किस दल के नेता की सालगिरह पर बधाई भेजनी है।’ ‘किसे ‘सर’ और किसे ‘भाई’ कहना है।’ यह सब देखकर लगता है कि नेताजी ने राजनीति को विज्ञान नहीं, बल्कि प्रबंधन का विषय बना दिया है।

जीविका स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 1.21 करोड़ महिलाओं को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10–10 हजार रुपए मिल जाएंगे । मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह बिहार की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है ।

जानकारों का मानना है कि यह योजना भारत के विभिन्न राज्यों में महिलाओं के लिए चल रही योजनाओं की ही तरह है और इसका गहरा असर चुनाव में दिखाई पड़ेगा ।

मधुरेंद्र सिन्हा

बिहार भारत के सबसे गरीब राज्यों में शामिल है और इस तरह की कोई भी आर्थिक योजना जो तत्काल राहत देती है, लोकप्रिय हो जाएगी। बिहार के लोग करोड़ों की संख्या में पलायन तो कर गए, लेकिन आज भी वह अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं। वे चाहते हैं कि राज्य का विकास हो और नई पीढ़ी को पलायन की त्रासदी न झेलनी पड़े। इसका सीधा हल विकास तथा रोजगार है। जात और जमात की राजनीति इसमें सबसे बड़ा रोड़ा है...

चुनाव आयोग ने बिहार में दो चरणों में मतदान कराने की घोषणा कर दी है। 6 और 11 नवंबर को वोट डाले जाएंगे तथा परिणाम 14 नवंबर को आएगा। पक्ष और विपक्ष दोनों कमर कस चुके हैं। दोनों गठबंधन में टिकट के बंटवारे का मामला अभी सुलझा नहीं है लेकिन दोनों ही ताल ठोक रहे हैं। नीतीश कुमार जो राजद को हराकर मुख्यमंत्री बने, एक बार फिर युद्ध के मैदान में हैं। एनडीए गठबंधन ने उन्हें ही अपना मुख्यमंत्री फेस चुना है, जबकि महागठबंधन में उठापेह है और कांग्रेस ने अपने पते नहीं खोले हैं। लेकिन तेजस्वी यादव ने स्पष्ट कर दिया है कि बिहार में महागठबंधन का चेहरा सिर्फ वही हैं। इसके पहले राहुल गांधी ने बिहार के दौरे में कहा था कि इस बारे में अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। लेकिन तेजस्वी यादव को यह बात मंजूर नहीं थी और उन्होंने तुरंत ही अपने नाम की घोषणा कर दी। एक ओर जहां एनडीए गठबंधन में तारतम्य दिखता है, महागठबंधन में ऐसा कुछ नहीं है। राहुल गांधी ने अपने बिहार दौरे में कांग्रेसियों को अति उत्साहित कर दिया और उन्हें आगे बढ़ा दिया है, लेकिन सारा खेल लालू यादव पर निर्भर है और वह जाहिर है कि कांग्रेस को ज्यादा तरजीह नहीं देगे। इस बार उसे सीटें भी कम देगे। राहुल गांधी का दौरा हमेशा की तरह आरोप-प्रत्यारोप का रहा और उन्होंने चुनाव आयोग पर तमाम तरह के हमले किए और वोट चोरी का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने वोट चोरी में साथ दिया है। हालांकि उन्होंने जितने प्रमाण दिए, वे सभी खोखले थे और उनमें कोई दम नहीं था। बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) की उन्होंने जमकर आलोचना की और उनके दो वकील सुप्रीम कोर्ट जा पहुंचे। इतना ही नहीं तथाकथित चुनाव विशेषज्ञ योगेन्द्र यादव भी अपनी विद्वता झाड़ते हुए कोर्ट में पेश हो गए, लेकिन इनमें से कोई



भी वोट चोरी या सूची में गड़बड़ी की बात साबित नहीं कर सका। महज शोर मचाने और पब्लिसिटी करने के अलावा उन लोगों ने कुछ भी नहीं किया। यहां पर एक बात ध्यान देने की है कि मतदाता सूची बनाने वाले कर्मी राज्य सरकारों के ही कर्मी होते हैं। बीएलओ और एसडीएम, ये सभी राज्य सरकार के कर्मी ही होते हैं, ऐसे में मतदाता सूची में हेराफेरी का आरोप हास्यास्पद है। यह बात अखिलेश यादव ने भी कही थी कि मतदाता सूची में गड़बड़ी के लिए बीएलओ और एसडीएम को जिम्मेदार ठहराया जाए। लेकिन राहुल ने राहुल है, राजकुमार हैं। उन्होंने जो कह दिया वह कह दिया। एटम बम के नाम पर सुतली बम भी फोड़ दिया। इन सबका जनता पर कोई असर होता नहीं दिखा। वह पहले की तरह उदासीन रही। हां, बांग्लादेश से आकर बिहार में बस गए बांग्लादेशियों में खलबली जरूर मच गई। सुप्रीम कोर्ट ने आधार को मतदाता सूची के शामिल होने वाले महत्वपूर्ण दस्तावेज में आधार को भी शामिल कराके उनकी चिंता काफी हद तक दूर कर दी। इसके बाद चुनाव आयोग ने सूची तैयार कर दी है जिस पर महागठबंधन ने कोई खास आपत्ति नहीं जताई है लेकिन कुछ बातें जरूर कही हैं। अगर वे चुनाव हार गए तो फिर यह मुद्दा जोर-शोर से उठाएंगे।

बहरहाल बिहार में काफी सरगर्मी दिखती है। लेकिन यह ऊपर ही ऊपर है। यानी मीडिया भर तक ही सीमित है। लोग अपनी फसलों को लेकर चिंतित हैं। कई इलाकों में

भरपूर बारिश न होने के कारण धान की बुआई नहीं हो पाई है, वहां के लोग निराश हैं। बाकी शहरों और कस्बों में राहुल गांधी के भाषणों के बारे में कोई चर्चा नहीं है। यहां वोट चोरी बहुत मामूली बात होती थी और बूथ लूटने का भी कल्चर था। कई जगहों में गरीबों तथा दलितों को वोट देने से रोक भी लिया जाता था। लेकिन अब इंटरनेट और सीसीटीवी कैमरों के कारण हालात बहुत बदल गए हैं। आम बिहारी बहुत ही जागरूक, सजग और समझदारी वाली बातें करने वाला होता है। भारत के किसी भी राज्य में राजनीतिक रूप से इतने जागरूक लोग नहीं मिल सकते। उन्हें हर चीज का ज्ञान है और इन्सायक्लोपीडिया की तरह वे अतीत की तमाम बातें बता सकते हैं। उनमें तर्क करने की अद्भुत क्षमता है जो आप यूट्यूब या टीवी चैनलों पर साफ देखते होंगे। ऐसे में उसे बातों में फंसाना मुश्किल है। राहुल गांधी को यह बात मालूम नहीं थी, इसलिए वह कुछ भी आरोप लगाते रहे। राहुल गांधी यह भी भूल गए कि बिहार में 15 वर्षों के शासन में आरजेडी ने कैसे जंगल राज बना दिया। उनकी ही पार्टी के नेता गाल फाड़-फाड़कर चिछाते रह गए, लेकिन आलाकमान ने कुछ नहीं सुना। नीतीश कुमार अनुभवी राजनीतिज्ञ हैं और उनके पास राजनीतिक चालें हैं। उससे भी बड़ी बात यह है कि वह एनडीए का हिस्सा है जिसका नेतृत्व नरेन्द्र मोदी के पास है। पीएम मोदी हाल में पांच बार बिहार का दौरा कर चुके हैं और उन्होंने दर्जनों तरह की सीगात

जनता को दी है। जनता उनसे खुश है क्योंकि वहां नई रेलगाड़ियों से लेकर कई तरह की और सुविधाएं दी गई हैं। उधर नीतीश कुमार महिलाओं के लिए 10000 रुपए की राशि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत दे रहे हैं। जीविका स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 1.21 करोड़ महिलाओं को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10-10 हजार रुपए मिल जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह बिहार की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जानकारों का मानना है कि यह योजना भारत के विभिन्न राज्यों में महिलाओं के लिए चल रही योजनाओं की ही तरह है और इसका गहरा असर चुनाव में दिखाई पड़ेगा। बिहार भारत के सबसे गरीब राज्यों में शामिल है और इस तरह की कोई भी आर्थिक योजना जो तत्काल राहत देती है, लोकप्रिय हो जाएगी। बिहार के लोग करोड़ों की संख्या में पलायन तो कर गए, लेकिन आज भी वह अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं। वे चाहते हैं कि राज्य का विकास हो और नई पीढ़ी को पलायन की त्रासदी न झेलनी पड़े। इसका सीधा हल विकास तथा रोजगार है। जात और जमात की राजनीति इसमें सबसे बड़ा रोड़ा है। जो पार्टियां इस तरह की राजनीति करेंगी, वे इस चुनाव में उसका परिणाम झेल लेंगी। हर बिहारी चाहता है कि उसका राज्य सशक्त और संपन्न हो। ऐसे में इसका असर चुनाव पर पड़ेगा ही। देखते हैं कि जनता कौनसे गठबंधन को चुनती है।

आत्मनिर्भरता की आत्मघाती बाधा, खाद्य पदार्थों के साथ दवाओं की गुणवा भी सही नहीं

हैरानी नहीं कि बहुत कम भारतीय उत्पाद ऐसे हैं जो अपनी गुणवत्ता के लिए जाने जाते हैं। चूंकि हमारे उत्पाद विश्वस्तरीय नहीं बन पा रहे हैं इसलिए वे विश्व बाजार में अपनी छाप भी नहीं छोड़ पा रहे हैं। इसी कारण हम आत्मनिर्भर बनने के अपने सपने को साकार नहीं कर पा रहे हैं।

राजीव सखान ।

इन दिनों विषाक कफ सीरप से मध्य प्रदेश और राजस्थान में एक दर्जन से अधिक बच्चों की मौत का मामला चर्चा में है। हर तरफ आक्रोश है और उसके चलते जांच एवं कार्रवाई की बातें हो रही हैं। क्या यह पहली बार हो रहा है? नहीं। 1986 में मुंबई में विषाक कफ सीरप से 14 बच्चों की जान गई थी और दिल्ली में 33 बच्चों की। इसके बाद 2020 में जम्मू में 12 बच्चों की मौत हुई। हर बार सब कुछ ठीक करने की बातें की गईं, लेकिन स्थितियां नहीं बदलतीं। 2022 में भारतीय दवा कंपनियों की ओर से बनाई गई कफ सीरप से गाबिया और फिर उज्बेकिस्तान में कई बच्चों की मौत हुई। इन मौतों का संज्ञान विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी लिया।

इन मामलों के कारण भारत की दवा कंपनियों की बदनामी भी हुई। माना जा रहा था कि इस बदनामी के कारण विषाक कफ सीरप बनाने वाली कंपनियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी और दवाओं की गुणवत्ता का परीक्षण करने वाली सरकारी एजेंसियां



अपना काम सही तरह से करेंगी, पर नतीजा ढ़क के तीन पात वाला रहा। गाबिया और उज्बेकिस्तान को कफ सीरप सप्लाई करने वाली दवा कंपनियों के खिलाफ फौरी कार्रवाई तो हुई, पर ऐसी ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जो नजीर बनती और विषाक कफ सीरप बनने का सिलसिला थमता। ऐसा ही राजस्थान और मध्य प्रदेश में कोल्ड्रूफ कफ सीरप सप्लाई करने वाली दवा कंपनी के साथ हो तो हैरानी नहीं, क्योंकि इस सीरप में विषाक रसायन के प्रयोग को लेकर विरोधाभासी खबरें आ रही हैं। दवाओं के निर्माण की प्रक्रिया

और उनकी गुणवत्ता की परख करने वाली सरकारी एजेंसियां और सरकारें कुछ भी दवा करें, यह काम सही तरह नहीं होता और इसका प्रमाण यह है कि आए दिन दवाओं के सैंपल फेल होने की खबरें आती हैं। पिछले महीने खबर आई थी कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन और राज्य दवा नियामकों की जांच में हिमाचल प्रदेश की दवा कंपनियों की 94 दवाओं के सैंपल फेल हुए। जांच में तीन दवाएं नकली भी निकलीं।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन हर माह ड्रग अलर्ट जारी करता

है। अगस्त के ड्रग अलर्ट के अनुसार हिमाचल की 31 दवा कंपनियों की 38 दवाएं गुणवत्ता के पैमाने पर खरी नहीं उतरीं। इसी ड्रग अलर्ट के अनुसार दवा कंपनियों में बीस 56 दवाओं के सैंपल भी फेल हुए। जुलाई के ड्रग अलर्ट के अनुसार कुल 143 दवा नमूने फेल पाए गए। जून के ड्रग अलर्ट में कुल 188 दवाओं के सैंपल फेल हुए। इनमें हिमाचल, गोवा और महाराष्ट्र की दवा कंपनियों की दवाएं थीं।

इस पर संतोष नहीं जताया जा सकता कि ये सैंपल बैच विशेष के होते हैं और उन्हें हटाने को कहा जाता है, क्योंकि इसकी गारंटी नहीं कि दोयम दर्जे की दवाओं को हटाने के निदेश जारी करने के पहले वे मरीजों तक नहीं पहुंच जाती होंगी। चूंकि हिमाचल फार्मा कंपनियों का गड़ है, इसलिए दवाओं के फेल सैंपल के मामले में यहां की कंपनियों का नाम खूब आता है, पर सच यह है कि शेष देश की दवा कंपनियों के सैंपल भी फेल होने का सिलसिला कायम है। भारत ने जेनेरिक दवाओं के निर्माण में अपनी पहचान बना ली है, लेकिन यदि

दोयम दर्जे की दवाएं बनती रहीं तो यह पहचान खतरे में पड़ सकती है। क्या हम केवल दवाओं की गुणवत्ता ही बनाए रख पाने में नाकाम हैं? नहीं। दवाओं के साथ-साथ खाद्य सामग्री और पेय पदार्थों की गुणवत्ता के मामले में भी हमारी स्थिति दयनीय है। डिब्बाबंद खाद्य एवं पेय पदार्थों की गुणवत्ता भी संदेह के घेरे में रहती है। उनके निर्माण में मानकों का उल्लंघन होता ही रहता है। कई बार तो उनमें विषाक अखाद्य वस्तुओं की भी मिलावट की जाती है, लेकिन मुश्किल से ही कोई मिलावटखोर दंडित होता है।

जिस तरह दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाली सरकारी एजेंसियां और ड्रग इंस्पेक्टर अपना काम ले-देकर करते हैं, उसी तरह खाद्य एवं पेय पदार्थों की गुणवत्ता की परख करने वाली सरकारी एजेंसियां और फूड इंस्पेक्टर भी। सरकारी तंत्र में व्याप्त इस भ्रष्टाचार का ही यह नतीजा है कि भारत में न तो दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित है और न ही खाद्य एवं पेय पदार्थों की। दूध, खोया, मिठाई, मसालों आदि में तो मिलावट की आशंका बनी ही रहती है और

अक्सर यह सही पाई जाती है।

दवाएं हों या खाद्य एवं पेय पदार्थ या फिर अखाद्य वस्तुएं, अपने देश में सबके निर्माण के लिए मानक बने हुए हैं और सबकी गुणवत्ता परीक्षण के नियम-कानून हैं, लेकिन उनका सही तरह पालन नहीं होता। जहां निर्माण, वहां भ्रष्टाचार होना एक अलिखित नियम सा बन गया है। इसी तरह जहां कहीं भी सरकारी अनुमति, संस्तुति, परीक्षण आदि की आवश्यकता होती है, वहां भी मानकों की अनदेखी के साथ नियम-कानूनों का उल्लंघन होता है।

हैरानी नहीं कि बहुत कम भारतीय उत्पाद ऐसे हैं, जो अपनी गुणवत्ता के लिए जाने जाते हैं। चूंकि हमारे उत्पाद विश्वस्तरीय नहीं बन पा रहे हैं, इसलिए वे विश्व बाजार में अपनी छाप भी नहीं छोड़ पा रहे हैं। इसी कारण हम आत्मनिर्भर बनने के अपने सपने को साकार नहीं कर पा रहे हैं। स्वदेशी के सहारे स्वावलंबी बनने की यात्रा तब पूरी होगी, जब हमारे हर तरह के उत्पाद भरोसेमंद होंगे। अच्छा हो कि हमारे नीति-निकाय यह समझे कि भ्रष्टाचार पर लागू लगने का थोथा दवा आत्मनिर्भरता की राह की आत्मघाती बाधा है।

पीएम जनमन ने दिलाई पहाड़ी कोरवाओं को शासकीय योजनाओं के लाभ

हेटसेमर के पहाड़ी कोरवाओं को मिली विकास के रास्ते की सौगात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहलाने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय में आने वाले पहाड़ी कोरवा अपनी विलक्षण संस्कृति और सरल स्वाभाव के लिए प्रसिद्ध हैं। इस जनजाति के लोग पहाड़ी क्षेत्रों में ऊंचे पहाड़ों पर दूर-दूर अपने घर बनाकर निवास करते हैं, परन्तु समय के साथ यह विशेषता ही उनके लिए चुनौतियाँ लेकर आई हैं। दुर्गम ऊंचे पहाड़ों में निवास करने के कारण शासकीय योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाना कष्टकर हो रहा था। पहाड़ी कोरवाओं को शासकीय जनहितकारी योजनाओं का लाभ मिले इस हेतु प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना लायी गई थी, पर विस्तृत भू-भाग में पहाड़ी क्षेत्रों में सीमित जनसंख्या स्तर के कारण वे इसके लाभ से वंचित थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के द्वारा सभी तक शासन की पहुंच सुनिश्चित करने एवं सभी के समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए विशेष रूप से प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) विशेष पिछड़ी जनजातियों के क्षेत्रों



के विकास के लिए लायी गई। इसके मापदण्डों में परिवर्तन कर सौ लोगों की जनसंख्या होने पर भी उन्हें मुख्य मार्ग से जोड़ने का कार्य किया गया। जिसके तहत

जशपुर जिले के बगीचा विकासखण्ड के पहाड़ी कोरवा ग्राम हेटसेमर को सला-रौनी मुख्य मार्ग से जोड़ा गया। जिसमें 3.67 करोड़ रुपए की लागत से पांच किमी लंबी सड़क का

निर्माण किया गया। इस रास्ते में दुर्गम पहाड़ और उथले पाट भी शामिल थे, इन सभी समस्याओं का समाधान निकालते हुए रोड़ का निर्माण कार्य पूरा किया गया। सड़क निर्माण

होने से हेटसेमर में बसे पहाड़ी कोरवा जनजातियों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के नए द्वार खुल गए हैं। सड़क बनने से पहले बारिश के मौसम में कच्ची पगडंडी, दुर्गम पहाड़ी, जहरीले जानवरों की उपस्थिति और छोटे छोटे नालों से हेटसेमर तक पहुँचना दुष्पर हो जाता था, बारहमासी सड़क के बन जाने से अब बच्चों एवं ग्रामीणों की शिक्षा तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के लिये सुलभ आवागमन प्राप्त हो रहा है। उत्पादक किसानों को कृषि उपज एवं अन्य दैनिक वस्तुओं के लिए सोचना नहीं पड़ता। जिससे शासन की योजनाओं का लाभ भी ग्रामीण अब बढ़ चढ़ कर ले रहे हैं। जिससे रोजगार के भी नए रास्ते खुल गए हैं। सड़क के बन जाने से सामाजिक उन्नति भी हुई है, शादी-विवाह, धार्मिक कार्यक्रम एवं मेला-मंडई जैसे आयोजनों में लोगों का आवागमन बढ़ने से सामाजिक संपर्क को भी प्रोत्साहन मिला है। इसके साथ ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधा हेतु आपातकालीन चिकित्सा वाहन की सुगम-सुविधा प्राप्त हो रही है, जिससे सर्पदंश, आकस्मिक दुर्घटना, मातृत्व स्वास्थ्य जैसी दशाओं में तुरन्त स्वास्थ्य सुविधाएं उनके दरवाजे पर ही उपलब्ध हो रही है।

बाल शिक्षा की नई राह, आंगनबाड़ी केन्द्र कुंदला में खिल रही नन्हीं प्रतिभाएँ

रायपुर, छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचल क्षेत्र नारायणपुर जिले के ग्राम कुंदला स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र आज बाल शिक्षा और सर्वांगीण विकास की नई मिसाल बन गया है। यहाँ नन्हें बच्चों की हँसी और सीखने की लय ने पूरे गाँव के माहौल को जीवंत कर दिया है। हर सुबह जब सूरज की किरणें गाँव की गलियों में उतरती हैं, तो आंगनबाड़ी केन्द्र के द्वार पर बच्चों के कदमों की आहट सुनाई देती है। पाँच वर्ष की मनीषा कुमेटी और अंकुश पोयाम जैसे बच्चे स्लेट-चॉक लेकर उत्साह से केन्द्र पहुँचते हैं। यहाँ कार्यकर्ता उन्हें खेल-खेल में अक्षर, गिनती और रंगों की पहचान सिखाते हैं। एक, दो, तीन- की गूँज और बच्चों की हँसी से पूरा केन्द्र आनंदित रहता है। यह केन्द्र केवल शिक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, सहयोग, सम्मान और आत्मविश्वास जैसी मानवीय मूल्यों का पाठ भी पढ़ा रहा है। पहले जहाँ बच्चे विद्यालय आने से झिझकते थे, अब वे स्वयं उत्साह से भाग लेते हैं। माता-पिता भी बच्चों की प्रगति पर गर्व महसूस कर रहे हैं। आंगनबाड़ी केन्द्र कुंदला में हो रहे नवाचारों ने यह सिद्ध कर दिया है कि प्रारंभिक बाल शिक्षा की सशक्त नाँव गाँवों से ही रखी जा सकती है। यह केन्द्र बाल शिक्षा, पोषण और सामाजिक विकास का प्रेरक उदाहरण बनकर उभरा है।



पोषण बन रही गर्भवती माताओं के लिए वरदान पुष्पा ने दिया स्वस्थ बेटी को जन्म

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राष्ट्रीय पोषण माह 2025 के दौरान छत्तीसगढ़ में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों से माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य में अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। दुर्ग जिले के ग्राम भानपुरी की पुष्पा ठाकुर की कहानी इसका सुंदर उदाहरण है। पुष्पा की यह पहली गर्भावस्था थी। शुरुआत में उन्हें उल्टी, कमजोरी और भूख न लगने जैसी समस्याएं थीं। जानकारी की कमी के कारण वह सही खानपान नहीं ले पा रही थीं। इस दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक श्रीमती सोनल सोनी और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शशि देवांगन ने उनके घर जाकर नियमित रूप से सलाह दी और परिवार को भी गर्भवती महिला की देखभाल के बारे में समझाया। 'पोषण खजाना' के तहत मिलने वाले पौष्टिक आहार, रेडी-टू-ईट फूड, हरी सब्जियाँ, दालें, दूध और फल के साथ आयरन व कैल्शियम की गोलियों के नियमित सेवन से पुष्पा का स्वास्थ्य धीरे-धीरे सुधर गया। पहले उनका वजन 40 किलोग्राम और हीमोग्लोबिन 9 ग्राम था, जो गर्भावस्था के अंत तक बढ़कर वनज 52 किलोग्राम और हीमोग्लोबिन 10.9 ग्राम तक पहुंच गया। नियमित जांच और आंगनबाड़ी दीदी की देखभाल से पुष्पा को गर्भावस्था में कोई परेशानी नहीं हुई। 27 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान ही उन्होंने शासकीय अस्पताल दुर्ग में 2.700 किलोग्राम वजनी स्वस्थ बेटी को जन्म दिया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मां और शिशु का स्वास्थ्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पोषण के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ निरंतर प्रगति कर रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजबाड़ ने कहा कि पोषण खजाना जैसी योजनाएं ग्रामीण माताओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। हमारा लक्ष्य है कि हर गर्भवती और धात्री महिला को पर्याप्त पोषण मिले।

बटरफ्लाई एवं मोथ सर्वे 2025 का आयोजन 6 से 8 नवम्बर तक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रकृति और जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए बटरफ्लाई एवं मोथ सर्वे 2025 का आयोजन बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य किया जाएगा। यह आयोजन 6 से 8 नवम्बर तक होगा, इस तीन दिवसीय सर्वेक्षण का उद्देश्य तितलियों और पतंगों की प्रजातियों की पहचान, उनके प्राकृतिक आवास का अध्ययन तथा आम नागरिकों में जैव विविधता संरक्षण की भावना को बढ़ावा देना है। वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार श्री धम्मशील गणवीर ने बताया कि वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार यह सर्वेक्षण न केवल जैव विविधता के संरक्षण में मदद करेगा, बल्कि पर्यावरण शिक्षा और जागरूकता बढ़ाने की दिशा में भी एक सार्थक प्रयास है। उन्होंने कहा कि बारनवापारा अभ्यारण्य की प्राकृतिक सुंदरता के बीच यह आयोजन प्रतिभागियों को प्रकृति से जोड़ने का अनूठा अनुभव देगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन पर्यावरण जागरूकता एवं प्रकृति संरक्षण गतिविधियों के अंतर्गत किया जा रहा है। यह आयोजन विद्यार्थियों, शोधार्थियों और प्रकृति प्रेमियों के लिए खुला है। पंजीयन शुल्क सामान्य प्रतिभागियों के लिए 2,500 रुपए तथा विद्यार्थियों के लिए 2,000 रुपए रखा गया है। केवल 40 प्रतिभागियों को ही इसमें शामिल होने का अवसर मिलेगा। पंजीयन की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है। वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार श्री धम्मशील गणवीर ने बताया कि इस आयोजन में प्रतिभागियों को बारनवापारा अभ्यारण्य की समृद्ध वन संपदा और तितलियों-पतंगों के पारिस्थितिक महत्व को समझने का अवसर मिलेगा। साथ ही प्रतिभागियों के लिए कई रोचक गतिविधियां जैसे तितलियों पर कलात्मक पेंटिंग, प्रकृति एवं वन्यजीव विषय पर चित्रकला और वन्यजीवों से जुड़ी प्रेरक कहानियाँ भी रखी गई हैं।

अक्टूबर 2025 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के निर्माण कार्यों की राष्ट्रीय गुणवत्ता जांच

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राष्ट्रीय ग्रामीण अवसरचक्रा विकास एजेंसी, नई दिल्ली के निरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के निर्माणधीन कार्यों की तृतीय स्तर की गुणवत्ता जांच हेतु राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षकों का दौरा अक्टूबर 2025 में निर्धारित किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों में राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण करेंगे। इस निरीक्षण का उद्देश्य प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत हो रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का मूल्यांकन करना तथा आवश्यक सुधारात्मक सुझाव प्रदान करना है। इस क्रम में राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक श्री जगदीश राय गर्ग द्वारा कोण्डगांव एवं दंतवाड़ा जिलों का निरीक्षण अक्टूबर 2025 में किया जाएगा। उनका मोबाइल नंबर +91-8008516763 तथा ई-मेल आईडी jr.garg@yahoo.com है। छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अधिकरण, रायपुर द्वारा राज्य गुणवत्ता समन्वयक एवं मुख्य अभियंता श्री हरिओम शर्मा के निर्देशन में यह निरीक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। यह पहल प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की गुणवत्ता, मजबूती एवं दीर्घकालिक स्थायित्व सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे राज्य के ग्रामीण अंचलों में बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी तथा ग्रामीण विकास को नई गति मिलेगी।

सौर सुजला योजना से सिंचाई सुविधा में हो रहा विस्तार

सोलर पंप से किसान ले रहे दोहरी फसल का लाभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में किसानों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा सौर सुजला योजना का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत किसानों को सोलर पम्प उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे अब वर्षा पर निर्भर रहने वाले खेतों में भी सिंचाई की सुविधा सुलभ हो गई है। परिणामस्वरूप किसान अब वर्ष में दोहरी फसल लेकर अपनी आय दोगुनी कर रहे हैं। जिले के विकासखण्ड रामचन्द्रपुर के ग्राम द्वारा के किसान श्री मुनेश्वर प्रसाद यादव ने सौर सुजला योजना से लाभ लेकर अपनी खेती को नई दिशा दी है। उनके पास 5 एकड़ भूमि है, जिसमें पहले केवल 2 एकड़ ही सिंचित थी। क्रेडा विभाग की सहायता से सोलर पम्प लगवाने के बाद अब पूरी भूमि पर सिंचाई संभव हो गई है। श्री यादव अब धान के साथ-साथ साग-सब्जियों की खेती भी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले खरीफ सीजन में लगभग 60 हजार रुपये की आमदनी होती थी, जबकि सोलर पम्प लगने के बाद अब वार्षिक आय बढ़कर करीब 1 लाख रुपये तक पहुँच गई है। उन्होंने कहा कि पहले वर्षा आधारित खेती से जोखिम और नुकसान की आशंका बनी रहती थी, परंतु सौर सुजला योजना से सिंचाई की निर्बाध सुविधा मिलने के बाद खेती अब अधिक लाभदायक हो गई है। अब वे रबी और खरीफ दोनों सीजन में फसलें ले रहे हैं और साग-सब्जी उत्पादन से अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर रहे हैं। वर्तमान में सौर सुजला योजना फेस-9 के अंतर्गत



बलरामपुर जिले को 300 सोलर पम्प लगाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इच्छुक किसान आधार कार्ड, भूमि का खसरा, रकबा, प्रमाणित नक्शा, जाति प्रमाण पत्र, पासबुक की छायाप्रति, स्थापना स्थल के फोटोग्राफ्स तथा आवेदन शुल्क (3 एचपी पम्प के लिए 3000 रुपए, 5 एचपी के लिए 4800 रुपए) के साथ अपने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, क्रेडा या उप संचालक कृषि कार्यालय में संपर्क कर योजना का लाभ ले सकते हैं।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना बनी किसानों के लिए वरदान

किसान प्रेमचंद के जीवन में लाई नई उमीद और आत्मनिर्भरता



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना आज देशभर के किसानों के जीवन में स्थायित्व, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण का प्रतीक बन चुकी है। इस योजना के अंतर्गत

किसानों को प्रति वर्ष 6 हजार की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में दी जाती है, जिससे वे खेती-किसानी से जुड़े आवश्यक कार्यों को सुचारु रूप से संचालित कर पा रहे हैं। सक्ति जिले के ग्राम अंजोरीपाली निवासी किसान श्री प्रेमचंद मैत्री भी इस योजना के नियमित लाभार्थी हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें योजना की प्रत्येक किस्त समय पर प्राप्त होती है, जिससे वे बीज, खाद, कीटनाशक एवं कृषि उपकरणों की खरीद में इसका उपयोग करते हैं। इससे न केवल उनकी खेती की उत्पादकता बढ़ी है, बल्कि फसलों की गुणवत्ता में भी सुधार आया है। किसान श्री मैत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना ने ग्रामीण किसानों

के आर्थिक जीवन में स्थिरता और विश्वास की नई लहर पैदा की है। पहले जहां छोटे किसानों को खेती के लिए पूंजी जुटाने में कठिनाई होती थी, वहीं अब इस योजना से उन्हें न केवल वित्तीय सहायता मिल रही है बल्कि वे आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए भी प्रेरित हो रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना हमारे जैसे छोटे किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। प्रत्येक किस्त से खेती के लिए आवश्यक संसाधनों की पूर्ति होती है, जिससे कृषि कार्यों की निरंतरता बनी रहती है और किसानों में आत्मविश्वास बढ़ा है।

निलंबित कर्मचारियों की बहाली पर अब शिक्षक-विहीन एवं एकल शिक्षकीय विद्यालयों में की जाएगी पदस्थापना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। संचालक लोक शिक्षण संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा राज्य के सभी संभागीय संयुक्त संचालकों एवं जिला शिक्षा अधिकारियों को निलंबित कर्मचारियों की बहाली के पश्चात उनकी पदस्थापना संबंधी महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। आदेश में स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि आगे से निलंबित कर्मचारियों के बहाल होने पर उनकी पदस्थापना शिक्षक विहीन अथवा एकल शिक्षकीय विद्यालयों में प्राथमिकता के आधार पर की जाए, ताकि विद्यालयों में शिक्षण कार्य सुचारु रूप से संचालित हो सके तथा विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। निर्देशों में उल्लेख किया गया है कि अब तक निलंबन से बहाल किए गए कर्मचारियों की पदस्थापना जिले एवं संभाग के अन्य विद्यालयों में की जा रही थी, जबकि कई विद्यालय ऐसे हैं जहाँ शिक्षक विहीनता या एकल शिक्षकीय स्थिति बनी हुई है। संचालनालय ने इसे अनुचित एवं अव्यवहारिक व्यवस्था बताते हुए सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी अधिकारियों को इस निर्देश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा है। इस निर्णय से प्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षक उपलब्धता और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा।

अपराध नियंत्रण में नई तकनीक एक सशक्त कदम

सिमगा में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने किया सिटी सर्विलांस का शुभारंभ

अत्याधुनिक 40 सीसीटीवी कैमरों से शहर की हर गतिविधि पर रहेगी पैनी नजर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शुक्रवार को बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सिमगा नगर में सिटी सर्विलांस सिस्टम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने थाना परिसर में स्थापित सीसीटीवी सिटी सर्विलांस कक्ष का अवलोकन कर नगर की निगरानी व्यवस्था की जानकारी ली। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, कलेक्टर दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता, जनपद अध्यक्ष दौलत राम पाल, जनपद सदस्य चंद्रप्रकाश टोंड़े सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

अपने उद्घोषण में उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार अपराध नियंत्रण और जनता की सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग कर रही है। सिमगा नगर में सिटी सर्विलांस की शुरुआत इस दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि



सिमगा नगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है, जहां कई औद्योगिक इकाइयाँ संचालित हैं और विभिन्न प्रांतों से लोग आते-जाते रहते हैं। ऐसे में किसी भी अपराधिक घटना के तुरंत बाद उसकी पहचान और अपराधियों की तलाश अब सीसीटीवी नेटवर्क से सहज और तेज हो जाएगी। उन्होंने बताया कि शहर में 40 उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाए गए हैं, जो दिन-रात समान



रूप से कार्य करने में सक्षम हैं और वाहन के नंबर प्लेट तक को स्पष्ट रूप से कैद कर सकते हैं। इससे अपराध नियंत्रण, दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा ट्रैफिक प्रबंधन में उल्लेखनीय सुधार आएगा।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि सिटी सर्विलांस व्यवस्था शहर की ीतिसरी आँख- साबित होगी। अब किसी भी घटना पर तुरंत निगरानी रखी

जा सकेगी और अपराधियों को पकड़ने में पुलिस को ठोस सबूत मिल सकेंगे। कार्यक्रम में कलेक्टर दीपक सोनी और पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता ने भी इस पहल को शहर की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि निगरानी तंत्र से न केवल अपराधों में कमी आएगी बल्कि लोगों में भी सुरक्षा का विश्वास बढ़ेगा।

रतलाम जिला अभिभाषक संघ की पहल

सिविल जज परीक्षा को फ्री तैयारी कराएंगे, रिटायर्ड जज पढ़ाएंगे

रतलाम, एजेंसी। रतलाम जिला अभिभाषक संघ ने न्यायिक सेवा की तैयारी कर रहे युवा वकीलों के लिए एक सराहनीय पहल की है। अब सिविल जज परीक्षा की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों को निशुल्क कोचिंग दी जाएगी, जिसमें हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज और अनुभवी न्यायिक अधिकारी कक्षाएं लेंगे। इस प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीना आशा पुरे के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम में स्टेट बार सदस्य जय हाडिया, कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश रामजी गुप्ता, विशेष न्यायाधीश रुनाथ सिंह चुंडावत और संघ के अध्यक्ष राकेश शर्मा मौजूद रहे।

अभिभाषकों की प्रतिभा को तराशने का प्रयास: अध्यक्ष राकेश शर्मा ने बताया कि यह कोचिंग पूरी तरह से निशुल्क रहेगी और इसका उद्देश्य है अभिभाषक परिवार की प्रतिभाओं को न्यायिक सेवा के लिए तैयार करना। उन्होंने



कहा कि यह शिविर न केवल परीक्षा की तैयारी में मदद करेगा, बल्कि प्रतिभागियों को न्यायिक व्यवस्था की गहराई से समझ भी देगा।

100 से अधिक अभ्यर्थियों ने कराया पंजीयन: शिविर में अब तक 100 से अधिक अभिभाषकों ने पंजीयन कराया है। कोचिंग की मुख्य जिम्मेदारी

एडवोकेट रोहित शर्मा निभा रहे हैं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जज नीना आशा ने इसे एक अनूठी और अनुकरणीय पहल बताया। उन्होंने कहा कि रतलाम न्यायालय में

मौजूद अनुभवी न्यायिक अधिकारियों से सीखकर प्रतिभागियों को उत्कृष्ट मार्गदर्शन मिलेगा।

मग्न में पहली बार ऐसा शिविर: स्टेट बार सदस्य जय हाडिया ने कहा कि मध्यप्रदेश में रतलाम पहला जिला है जहां जिला अभिभाषक संघ इस तरह की उच्च स्तरीय कार्यशाला आयोजित कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट अरुण सिंह ठाकुर और अतुल श्रीवास्तव ने सिविल जज परीक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी, जिसमें परीक्षा प्रवेश प्रक्रिया और पाठ्यक्रम से जुड़े बिंदु शामिल थे।

यह रहे उपस्थित: इस अवसर पर संघ के सह सचिव विरेंद्र कुलकर्णी, कोषाध्यक्ष राजेंद्र सिंह पंवार, पुस्तकालय सचिव सुनीता वासनवाल और अन्य कार्यकारी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सचिव चेतन केलवा ने किया और दिया शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

नोट चबाकर निगलने की कोशिश करने वाले पटवारी को जेल

खंडवा में 3 साल की सजा, 4 हजार की घूस लेते पकड़ाया था आरोपी

खंडवा, एजेंसी। विशेष न्यायालय ने रिश्ततखीरी के मामले में पटवारी राजेश धात्रक को तीन साल के सश्रम कारावास और 25 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला वर्ष 2020 का है, जब पटवारी ने एक किसान से नामांतरण के लिए 10 हजार रुपए प्रति पावती की रिश्त मांगी थी। लोकायुक्त पुलिस ने 21 जनवरी 2020 को धात्रक को 4 हजार रुपए की घूस लेते रंगे हाथों पकड़ा था।

नोट निगलने की कोशिश की थी: अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी हरिप्रसाद बांके ने बताया कि ग्राम सुरगांव जोशी के किसान मांगीलाल प्यारो (रिटायर्ड टीचर) ने



ने लोकायुक्त कार्यालय इंदौर में शिकायत की थी कि पटवारी राजेश धात्रक नामांतरण के बदले रिश्त मांग रहा है। शिकायत पर लोकायुक्त पुलिस ने जाल बिछाया और धात्रक को उसके प्राइवेट ऑफिस से 4 हजार रुपए की घूस लेते पकड़ा। जब पुलिस उसे पकड़कर बाहर ला रही थी, तो उसने अचानक हाथ छुड़ाकर नोट

मुंह में डाल लिए और चबाते लगा, ताकि सबूत मिटा सके। लेकिन पुलिस टीम ने मशकत कर नोट मुंह से निकाल लिए और उसे गिरफ्तार कर लिया।

कोर्ट ने दोषी मानते हुए सुनाई सजा: जांच पूरी होने के बाद लोकायुक्त पुलिस ने मामले में विशेष न्यायालय में अभियोग पत्र पेश किया। विशेष न्यायाधीश अरविंद सिंह टेकाम ने आरोपी धात्रक को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7(क) के तहत दोषी पाते हुए सजा सुनाई। लोकायुक्त की आर से सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी विनोद कुमार पटेल ने पेश की।

भीकनगांव में निजी स्कूल बस पलटी, 10 बच्चे घायल

गोविंदपुरा के पास तेज रफ्तार से हुआ हादसा, मामूली चोटें आईं



खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले के भीकनगांव क्षेत्र में एक निजी स्कूल बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में 10 बच्चे घायल हो गए। घटना गोविंदपुरा के पास सुबह लगभग 9 बजे हुई। घायलों को तुरंत एंबुलेंस और अन्य वाहनों से

भीकनगांव के अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। **डाइवर के नियंत्रण खोने से पलटी बस:** ज्ञानदीप स्कूल की बस आसपास के गांवों से बच्चों को लेकर भीकनगांव जा रही थी। गोविंदपुरा के पास डाइवर ने बस से नियंत्रण खो

दिया, जिससे बस सड़क किनारे झाड़ियों में जा पलटी। हादसे की प्रारंभिक वजह तेज रफ्तार बताई जा रही है।

सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस पहुंची: हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में बच्चों के अभिभावक मौके पर

पहुंच गए। पुलिस और एंबुलेंस भी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचीं। ज्यादातर बच्चों को हाथ-पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में मामूली चोटें आई हैं। भीकनगांव अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

रायसेन में दीपावली को लेकर नगर पालिका की पहल

रायसेन, एजेंसी। दीपावली के महेनजर घरों में साफ-सफाई विशेष रूप से होने पर घरों से निकलने वाले कचरे की मात्रा बढ़ जाती है। इसे देखते हुए रायसेन नगर पालिका ने एक नई व्यवस्था लागू की है। अब शहर में कचरा उठाने वाले सभी 9 वाहन अपने निर्धारित वाडों में दिन में दो बार चक्कर लगाएंगे।

शहर को स्वच्छ रखने के लिए पहल शुरू की: यह पहल इसलिए की गई है ताकि लोग घरों से निकलने वाला अतिरिक्त कचरा सड़कों पर न फेंकें और शहर को स्वच्छ रखा जा सके। इससे पहले ये वाहन दिन में केवल एक ही बार चक्कर लगाते थे। नई व्यवस्था के तहत अब दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे के बीच दूसरी बार कचरा लेने के लिए वाहन आएंगे। नगर पालिका सीएमओ सुरेश जाटव ने शहरवासियों से अपील की है कि वे घरों से निकलने वाले कचरे को



सड़कों पर न डालकर केवल कचरा वाहनों में ही डालें। उनका कहना है कि इससे घरों की तरह शहर भी साफ-सुथरा रहेगा। **शहरवासी इनसे कर सकते हैं संपर्क :** कचरा वाहन संबंधी किसी भी परेशानी के लिए शहरवासी सफाई शाखा के प्रभारी से संपर्क कर सकते हैं। सफाई शाखा के प्रभारी शशिकांत माहोड़ से मोबाइल नंबर 9713428755 और तरुण चावला से मोबाइल नंबर 9926786575 पर संपर्क कर सकते हैं।

बच्चे कृष्ण-राधा बन गरबा में करते दिखे कृष्ण लीलाएं

सिलमपुरा में राधा-कृष्ण रूप में गरबे करते दिखे बच्चे; करवा अष्टमी तक चलेगा उत्सव

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर के सिलमपुरा क्षेत्र में गुजराती समाज द्वारा गरबा महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। यहां के निवासी ललित शाह के घर इस वर्ष भी परंपरागत रूप से माता रानी का गरबा स्थापित किया गया, जहां प्रतिदिन श्रद्धा और भक्ति के साथ माता की आराधना और गरबा रास का आयोजन हो रहा है। **पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा:** गुजराती परिवारों में नवरात्रि के दौरान गरबा लाने की परंपरा कई पीढ़ियों से चली आ रही है। मान्यता है कि माता रानी के घर में आगमन से सुख, शांति और समृद्धि आती है और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इसी भावना के साथ ललित शाह के घर हर दिन माता की पूजा-अर्चना की जा रही है। **कृष्ण-राधा बन बच्चों ने रचाई लीलाएं:** इस बार के



आयोजन की खास बात रही कि परिवार के बच्चों ने भगवान कृष्ण और राधा का रूप धारण कर सुंदर कृष्ण लीलाएं प्रस्तुत कीं। समाजजन भी इस भावपूर्ण प्रस्तुति को देखकर भावविभोर हो उठे। बच्चों के साथ सभी ने पारंपरिक

वेशभूषा में गरबा रास किया और माता रानी की भक्ति में लीन हो गए। हर शाम गरबा स्थल पर गुजराती समाज के लोग बड़ी संख्या में एकत्रित हो रहे हैं, जहां भक्ति, संगीत और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा

है। डांडिया की ताल पर थिरकते कदम और माता रानी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। यह गरबा उत्सव करवा अष्टमी तक जारी रहेगा, जिसमें प्रतिदिन विशेष पूजा, आरती और गरबा रास का आयोजन किया जाएगा।

सागर में गुलाबी ठंड ने दी दस्तक

18 डिग्री पहुंचा रात का तापमान; पहाड़ों

पर बर्फबारी से हवाओं का रुख बदला

सागर, एजेंसी। मध्यप्रदेश में जहां अभी पूरी तरह से मानसून बिदा नहीं हुआ है, वहीं सागर जिले में गुलाबी ठंड ने दस्तक दे दी है। दिन में तेज धूप और रात में हल्की ठंड का असर अब साफ नजर आने लगा है। न्यूनतम तापमान गिरकर 18 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जबकि अधिकतम तापमान 30 डिग्री बना हुआ है।

साफ आसमान, ठंडी हवाओं ने बढ़ाई सहिरन: शनिवार सुबह से आसमान पूरी तरह साफ रहा और तेज धूप खिली रही। लेकिन जैसे ही शाम ढली, वातावरण में ठंडक घुल गई। रात के समय लोगों को अब कबल या हल्के गर्म कपड़ों की जरूरत महसूस होने लगी है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी के कारण हवाओं का रुख बदल गया है। अब उत्तर दिशा से ठंडी हवाएं



मध्यप्रदेश में दखिल हो रही हैं, जिससे सागर समेत पूरे इलाके में ठंड का असर बढ़ गया है।

तीन दिन पहले तक हुई जोरदार बारिश: गौरतलब है कि तीन दिन पहले तक सागर जिले में जोरदार बारिश हुई थी। रहली, गढ़ाकोटा, देवरी, केसली, मालथौन सहित कई इलाकों में लगातार बारिश से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के चलते खेतों में खड़ी और काटी गई सोयाबीन की फसल को भारी नुकसान हुआ है। **फसलों के नुकसान पर**

सर्वे जारी: बारिश से फसलों को हुए नुकसान के बाद प्रशासन ने फौरन सर्वे के निर्देश दिए हैं। सर्वे दल अलग-अलग क्षेत्रों में पहुंचकर किसानों की फसल की स्थिति का आंकलन कर रहे हैं। किसानों को उम्मीद है कि नुकसान का मुआवजा उन्हें जल्द मिलेगा।

आने वाले दिनों में बढ़ सकती है ठंड: मौसम विभाग का कहना है कि यदि उत्तर से ठंडी हवाओं का दौर इसी तरह जारी रहा, तो आने वाले दिनों में सागर में ठंड और बढ़ सकती है।

सड़क गड्ढों में तब्दील, दुर्घटना का खतरा बढ़ा

बाराखंबा मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को होगी परेशानी

शासन प्रशासन ग्रामीण की मांग कर रहा अनसुनी

सीहोर, एजेंसी। सीहोर जिले की खेरी-इछावर मुख्य मार्ग की हालत बेहद खराब हो गई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी यह सड़क अब बड़े-बड़े गड्ढे, कीचड़ और पानी जमा होने के कारण दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। प्रतिदिन सैकड़ों ग्रामीण, छात्र-छात्राएं और किसान इस मार्ग का इस्तेमाल करते हैं, जिन्हें फिसलने और गिरने का खतरा बना रहता है। हाल ही में हुई बारिश ने सड़क की स्थिति और भी बिगाड़ दी है।



दीपावली से पहले मरम्मत नहीं हुई: स्थानीय प्रशासन हर साल दीपावली से पहले इस सड़क की मरम्मत करवाता है, ताकि बाराखंबा मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। लेकिन इस साल अभी तक गड्ढे भरने का काम शुरू नहीं हुआ है। ऐसे में मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को इस बार भी खराब सड़क से गुजरना पड़ेगा।

भारी वाहनों ने सड़क उखाड़ दी: ग्राम खेरी के निवासियों ने बताया कि इस मार्ग से कर्पनियों के भारी वाहन लगातार गुजरते हैं, जिससे सड़क का डामर पूरी तरह उखड़ गया है। वाहन चालकों को अब जोखिम उठकर यात्रा करनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र से केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का काफिला भी गुजरता है, लेकिन विधायक और अन्य जनप्रतिनिधियों का ध्यान सड़क की ओर नहीं है।

नागरिकों ने कई बार सड़क मरम्मत की मांग की है, लेकिन कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। लोगों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो यह सड़क किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना विभाग ने हालांकि बताया कि सड़क का निर्माण कार्य जल्द शुरू कराया जाएगा।

छतरपुर में खेत में चल रहा था जुए का फड़ जुझारनगर पुलिस ने छापा मारकर दो जुआरी पकड़े



छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर की जुझारनगर पुलिस ने टिकरी गांव में खेत पर चल रहे जुए के फड़ पर पुलिस ने छापा मारकर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने फड़ से 5750 रुपए नकद और ताश की गड्डी बरामद की है। **खेत में चल रहा था जुआ:** पुलिस को सूचना मिली थी कि टिकरी गांव के एक खेत में कुछ लोग हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। इस पर थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम गठित कर मौके पर छापा मारा गया। वहां कुछ लोग ताश के पत्तों से जुआ खेलते मिले, जिन्हें रंगे हाथ पकड़ा गया।

ये हैं गिरफ्तार आरोपी: छपे के दौरान नंदराम कुशवाहा (पिता रामभजन कुशवाहा, निवासी ग्राम मुड़हरा, थाना प्रकाश बमौरी) और गुलेदा उर्फ रामकिशोर कुशवाहा (पिता सुधरा कुशवाहा, निवासी बाई क्रमांक 7, बारीगढ़, थाना जुझारनगर) को मौके से पकड़ा। वहीं, राजा सिंह तोमर और रज्जू विश्वकर्मा, दोनों निवासी टिकरी, मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश में दंडिश दे रही है।

पब्लिक गैबलिंग एक्ट में केस: पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ पब्लिक गैबलिंग एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया है। फरार आरोपियों की तलाश जारी है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। टीआई ने बताया कि जिले में जुआ, सट्टा और अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। आगे भी ऐसे फड़ों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों ने पकड़ा बिना नंबर प्लेट का डंपर, मड़वास में

अवैध रेत परिवहन करता वाहन पुलिस को सौंपा

सीधी, एजेंसी। सीधी जिले के मझौली जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम मड़वास में अवैध रेत परिवहन का मामला सामने आया है। शनिवार दोपहर ग्रामीणों ने बिना नंबर प्लेट का रेत से भरा एक डंपर पकड़ा। सूचना मिलने पर मड़वास थाना पुलिस ने वाहन को जब्त कर थाने पहुंचाया। ग्रामीणों की सजगता से यह कार्रवाई संभव हो पाई। उन्होंने मौके पर ही वाहन को रोक लिया और तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस अब डंपर के दस्तावेजों और रेत के स्रोत की जांच कर रही है। ग्रामीण अहिंसा सिंह ने बताया कि गांव के आसपास कई महीनों से अवैध रेत का कारोबार चल रहा है। उनकी शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होती। रात के अंधेरे में रेत से भरे वाहन गुजरते हैं और प्रशासन इस पर मौन रहता है। दस्तावेजों की होंगी जांच: इस मामले पर खनिज निरीक्षक शिशिर यादव ने कहा कि ग्रामीणों की सूचना के बाद विभाग सक्रिय हुआ है।

रणजी ट्रॉफी : शार्दुल ठाकुर की कप्तानी में मुंबई की 16 सदस्यीय टीम घोषित, पहला मैच जम्मू-कश्मीर से



मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे अनुभवी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की कप्तानी में मुंबई क्रिकेट संघ ने आगामी रणजी सीजन के लिए मुंबई की 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। इस टीम में अनुभवी अजिंक्य रहाणे और धरुलू क्रिकेट में रन मशीन के रूप में पहचान बनाने वाले सरफराज खान शामिल हैं। रहाणे के कप्तानी से इस्तीफा देने के बाद शार्दुल को कप्तान बनाया गया था। मुंबई की टीम में युवा सुशील खान, आयुष म्हात्रे के साथ ही ऑलराउंडर शिवम दुबे को भी जगह दी गई है। टीम में श्रेयस अय्यर नहीं हैं। श्रेयस ने लंबे फॉर्मेट से कुछ समय के लिए ब्रेक लिया है। सूर्यकुमार यादव भी टीम का हिस्सा नहीं हैं। लंबे समय तक मुंबई का हिस्सा रहे पृथ्वी शॉ आगामी सीजन में महाराष्ट्र की तरफ से खेलते हुए नजर आएंगे। शॉ को पिछले सीजन टीम में जगह नहीं दी गई थी जिसके बाद उन्होंने टीम से अलग होने का फैसला किया था। कई बड़े खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद मुंबई की टीम में युवा, अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। शार्दुल ठाकुर के पास बतौर कप्तान अपनी क्षमता साबित करने का बेहतरीन अवसर है। शार्दुल गेंदबाज के साथ-साथ बल्लेबाज के रूप में भी लंबे फॉर्मेट में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। अगर रणजी ट्रॉफी में शार्दुल एक खिलाड़ी के तौर पर भी उम्दा प्रदर्शन करते हैं, तो भारतीय टीम में उनकी वापसी की संभावना बन सकती है।

42 बार की रणजी चैंपियन मुंबई अपने अभियान की शुरुआत 15 अक्टूबर से श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में जम्मू और कश्मीर के खिलाफ करेंगी। एलीट रूप खेे में शामिल मुंबई लोग चरण में हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, हैदराबाद, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और पुडुचेरी से भिड़ेंगी।

मुंबई टीम: शार्दुल ठाकुर (कप्तान), आयुष म्हात्रे, आकाश आनंद (विकेटकीपर), हार्दिक तमारे (विकेटकीपर), सिद्धेश लाड, अजिंक्य रहाणे, सरफराज खान, शिवम दुबे, शम्स मुलानी, तनुष कोटियन, तुषार देशपांडे, सिल्वेस्टर डिस्सा, इरफान अमीर, सुशील खान, अखिल हेवाडकर, रॉयस्टन डायस।

द लीगेन्ड्स चैस टूर्नामेंट-2025: कास्परोव ने आनंद पर बनाई शुरुआती बढ़त



सैंट लुई (अमरीका), एजेंसी। महान खिलाड़ियों के बीच मुकाबले के पहले दिन गैरी कास्परोव ने यहां तीसरी बाजी में भारत के विश्वनाथन आनंद को हराकर क्लच शतरंज मुकाबले में 2.5-1.5 की बढ़त बना ली। शतरंज के इतिहास के संभवतः सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कास्परोव ने 62 साल की उम्र में दिखाया कि 21 साल पहले संन्यास लेने के बावजूद उनमें अब भी काफी शतरंज बचा है। आनंद को भी मौके मिले लेकिन वह उनका फायदा उठाने में नाकाम रहे। शतरंज 960 प्रारूप के तहत रोजाना 2 रैंपड और 2 ब्रिल्ट्ज मुकाबले होने हैं। दिन की शुरुआत 2 बाजी हुईं रहीं जिसके बाद कास्परोव ने तीसरी बाजी में आनंद को हराया। आनंद के पास बाजी को ड्रॉ कराने का मौका था लेकिन वह चूक गए।

रोहित शर्मा को मिली कप्तानी... विराट को किया बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। एक बार फिर चर्चा का विषय बन गए हैं भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा। जिम्बाब्वे के स्टार ऑलराउंडर सिकंदर रजा ने अपनी 'All-time best Tw@ XI' का ऐलान किया है, जिसमें उन्होंने रोहित शर्मा को कप्तान के रूप में चुना है। रजा की टीम में कई दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए रोहित शर्मा पर भरोसा तायया गया। इस टीम में हैरानी की बात यह रही कि विराट कोहली और रू धोनी जैसे क्रिकेट दिग्गजों को जगह नहीं मिली।

सिकंदर रजा की टी20 ड्रीम टीम ओपनिंग- क्रिस गेल और रोहित शर्मा

विकेटकीपर- निकोलस पूरन

मिडिल ऑर्डर- एबी डिविलियर्स, हेनरिक क्लासेन, काइरन पोलार्ड

ऑलराउंडर- रवींद्र जडेजा, शाहिद अफरीदी

बॉलिंग अटैक- राशिद खान, जसप्रीत बुमराह, मिचेल स्टार्क, शाहीन अफरीदी

पूरी टीम- क्रिस गेल, रोहित शर्मा (कप्तान), निकोलस पूरन, एबी डिविलियर्स, हेनरिक क्लासेन, काइरन पोलार्ड, शाहिद अफरीदी, रवींद्र जडेजा, राशिद खान, जसप्रीत बुमराह,



शाहीन अफरीदी, मिचेल स्टार्क।

रोहित शर्मा पर अब भी सबकी निगाहें:

हाल ही में भारतीय टीम की कप्तानी छिने के बाद भी रोहित शर्मा का ध्यान फिटनेस और फॉर्म पर पूरी तरह है। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने पिछले कुछ महीनों में 15 किलो वजन घटाया है और पहले से कहीं ज्यादा फिट दिख रहे हैं।



विशेषज्ञों का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया दौर पर रोहित का प्रदर्शन अहम होगा। यदि वे वहां रन बनाते हैं, तो चयनकर्ताओं के लिए उन्हें नजरअंदाज करना मुश्किल होगा। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया सीरीज के बाद रोहित का इंटरनेशनल करियर खत्म हो सकता है।

भारत बनाम वेस्टइंडीज

दोहरे शतक से चूके यशस्वी जायसवाल, रन आउट होकर लौटे पवेलियन



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल वेस्टइंडीज के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में जारी दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में दोहरा शतक चूक गए। मुकाबले के दूसरे दिन पहले सेशन के खेल में जायसवाल रन आउट आउट होकर पवेलियन लौटे। 92वें ओवर की दूसरी गेंद पर जायसवाल ने जायडेन सील्स की फुल लेंथ गेंद को मिड-ऑफ की ओर मजबूती से ड्राइव किया। जायसवाल ने रन चुराने की कोशिश में तुरंत दौड़ लगानी शुरू कर दी, लेकिन इसमें गिल को कोई दिलचस्पी नहीं थी। जायसवाल तब तक काफी आगे निकल गए थे, उन्होंने वापस क्रीज पर लौटने की कोशिश की, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। थो कीपर के छोर पर आया और तेविन इमलाच ने स्टंप्स बिखेर दिए। रन आउट होने के बाद जायसवाल दूसरे छोर पर मौजूद कप्तान से

कुछ हद तक खफा भी नजर आए।

जायसवाल 258 गेंदों में 22 चौकों के साथ 175 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वह भारत के लिए सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर पर रन-आउट होने वाले तीसरे खिलाड़ी भी बन गए। इस अनचाही लिस्ट में संजय मांजरेकर शीर्ष पर हैं, जो साल 1989 में पाकिस्तान के

विरुद्ध लाहौर के मैदान पर 218 के स्कोर पर रन आउट हुए थे। वहीं, द ओवल में साल 2002 में इंग्लैंड के विरुद्ध 217 के स्कोर पर रन आउट होने वाले राहुल द्रविड़ इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। राहुल ही इस लिस्ट में तीसरे पायदान पर भी हैं, जो साल 2001 में कोलकाता टेस्ट के दौरान ऑस्ट्रेलिया के

मियामी, एजेंसी। लियोनेल मेसी की गैरमौजूदगी के बावजूद, अर्जेंटीना ने शुक्रवार को मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए अंतराष्ट्रीय मैत्री मैच में वेनेजुएला को 1-0 से शिकस्त दी। इस मुकाबले में गियोवानी लो सेल्सो जीत के हीरो रहे। जूलियन अल्वारेज और लौटारो मार्टिनेज के नेतृत्व में अर्जेंटीना का आक्रमण इस पूरे मैच में आक्रामक रहा, जबकि फुलबैक नाहुएल मोलिना ने दाहिने छोर पर अपनी ऊर्जा से फैंस को प्रभावित किया। इस मुकाबले में निर्णायक मौका 31वें मिनट में आया। अल्वारेज और मार्टिनेज ने बॉक्स के पास शानदार तालमेल दिखाया, जिसने वेनेजुएला के डिफेंडर्स को अपनी पोजीशन से बाहर खींच लिया और फिर लो सेल्सो को पास थमा दिया।

मिडफील्डर ने बेहतरीन संयम दिखाते हुए बाएं पैर से सटीक शॉट लगाया, जो गोलकीपर जोस कॉन्टेरास को चकमा देते हुए नेट में जा पहुंचा। इसी के साथ अर्जेंटीना ने 1-0 की बढ़त हासिल की। गियोवानी लो सेल्सो ने पहले हाफ में शानदार गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। उनका यह गोल करीब 15,000 दर्शकों के सामने मौजूद विश्व चैंपियन को आसान जीत दिलाने के लिए काफी था।

बढ़त हासिल करने के बाद, लियोनेल स्कालोनी की टीम ने अपने खास अंदाज में खेल की रफ्तार पर नियंत्रण बना लिया। तेज दौड़ाशन और छोटे-छोटे पास के जरिए अर्जेंटीना ने दबदबा कायम रखा। वहीं, वेनेजुएला कोई स्पष्ट मौका नहीं बना रही थी और 38 के स्कोर पर टॉप ऑर्डर के तीन बल्लेबाज आउट हो चुके थे। इसके बाद कप्तान सोफी डिवाइन और ब्लुकी हेडिले ने चौथे विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 150 तक पहुंचाया। ब्लुकी हेडिले 104 गेंद पर 69 रन बनाकर आउट हुईं। सोफी डिवाइन ने 85 गेंद पर 63 रन की पारी खेली। डिवाइन ने अपनी पारी में 2 चौके और 2 छक्के लगाए। इन दोनों के अलावा सूजी बेट्स ने 29 और मैडी ग्रीन ने 25 रन की पारी खेली। इन चारों बल्लेबाजों की बदौलत न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 227 रन बनाए।

बांग्लादेश की तरफ से राबिखा खान और डेन डेन कार्सन ने 1-1 विकेट लिए। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 227 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड की शुरुआत भी अच्छी नहीं

श्रेष्ठ गेंदबाज रहीं। राबिखा ने 10 ओवर में 30 रन देकर 3 विकेट लिए। मारुफा अख्तर, नाहिदा अख्तर, निशिता अख्तर निशि और फाहिमा खातून ने 1-1 विकेट लिए।

भारत ने दिल्ली टेस्ट में 518/5 पर पारी घोषित की-कप्तान गिल

129 रन बनाकर नाबाद लौटे, जायसवाल ने 175 रन बनाए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी 518/5 के स्कोर पर घोषित कर दी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने करियर की 10वीं सेंचुरी जमाई। वे 129 रन बनाकर नाबाद लौटे। उनसे पहले यशस्वी जायसवाल ने 175 रनों की पारी खेली। साई सुदर्शन ने 87, छव जुरेल ने 44 और नीतीश कुमार रेड् ?डी ने 43 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए जोमेल् वारिकन ने तीन विकेट लिए। एक विकेट कप्तान रोस्टन चेज को मिला।

विरुद्ध 180 रन पर इस तरह आउट हो चुके हैं। अगर यशस्वी जायसवाल इस मैच में दोहरा शतक जड़ते, तो यह उनके करियर का तीसरा दोहरा शतक होता। जायसवाल फरवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापत्तनम में 209 रन की पारी खेल चुके हैं। इसके अगले ही मैच में जायसवाल ने राजकोट में इंग्लैंड के विरुद्ध नाबाद 214 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज

के खिलाफ जारी दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन 94 ओवरों के खेल तक भारत ने 3 विकेट खोकर 343 रन बना लिए हैं। जायसवाल के अलावा, केएल राहुल 38, जबकि साई सुदर्शन 87 रन बनाकर पवेलियन लौट गए हैं। फिलहाल, कप्तान शुभमन गिल 33 और नीतीश रेड्डी 10 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

मेसी की गैरमौजूदगी में लो सेल्सो का विजयी गोल, वेनेजुएला पर अर्जेंटीना की आसान जीत



सकी। दूरी से किए कुछ प्रयास गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज को मुश्किल में डालने में नाकाम रहे। भले ही इसके बाद अर्जेंटीना ने दूसरे हाफ में अपने गोल की संख्या में कोई इजाफा नहीं किया, लेकिन टीम किसी भी तरह की परेशानी में नजर नहीं आई। उल्लेखनीय है कि इस मैत्रीपूर्ण मैच का इस्तेमाल व्यस्त अंतराष्ट्रीय कैलेंडर से पहले

टीम को परखने के लिए किया गया है। एलेजांद्रो गार्नान्चो और एंजो फर्नांडीज जैसे युवा खिलाड़ियों की मौजूदगी ने अंतिम चरणों में और भी जोश भर दिया। लियोनेल मेसी मांसपेशियों में जकड़न के चलते एहतियातन इस मैच में नहीं खेले। हालांकि, इस दौरान उन्होंने स्टैंड से अपने साथियों का उत्साह बढ़ाया।

चेतन शर्मा का अंडर -23 सी.के नायडू ट्रॉफी के लिए राजस्थान की टीम में चयन

भरतपुर, एजेंसी। बीसीसीआई द्वारा आयोजित की जा रही अंडर-23 कर्नल सी.के नायडू ट्रॉफी के लिए भरतपुर जिले के राइट आर्म फास्ट बॉलर चेतन शर्मा का राजस्थान की 15 सदस्यीय टीम में चयन हुआ है। जिला क्रिकेट संघ भरतपुर के सचिव शत्रुघ्न तिवारी ने बताया कि पहला मैच 16 से 19 अक्टूबर से एसएमएस स्टेडियम जयपुर में मुंबई के खिलाफ आयोजित होगा चेतन ने पिछले दिनों अंडर-19 इंडिया से खेलते हुए ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाफ और अंडर-19 एशिया कप में की गई बेहतरीन प्रदर्शनों से एवं पूर्व में आरसीए द्वारा आयोजित की गई राज्यस्तरीय सीनियर क्रिकेट प्रतियोगिता आदि में किए गए बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर अंडर-23 कर्नल सी.के नायडू ट्रॉफी के लिए राजस्थान की टीम में चयन हुआ है सचिव ने यह भी बताया कि चेतन शर्मा पूर्व में अंडर-19 इंडिया की टीम में भी खेल चुके हैं चेतन के चयन पर जिला क्रिकेट संघ भरतपुर के कार्यालय पर मिठाई बांटी गई और एक दूसरे पदाधिकारियों को माला पहनाकर हर्ष व्यक्त करते हुई उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।



जोधाणा वॉरियर्स शुरुआती दौर में खेलो क्रिएटर्स लीग (केसीएल) में सबसे आगे

जयपुर, एजेंसी। खेलो क्रिएटर्स लीग (केसीएल) का जयपुर के सीतापुरा स्थित जी स्टूडियो में शानदार आगाज हुआ। इस मौके पर भारत के शीर्ष डिजिटल क्रिएटर्स खेल भावना, मनोरंजन और सामुदायिक भावना का अनूठा मिश्रण देखने को मिला। टूर्नामेंट में कड़ी प्रतिस्पर्धा और 8 मैचों के बाद जोधाणा वॉरियर्स लगातार दो मैच जीत कर 4 अंक के साथ शुरुआती दौर में सबसे आगे चल रही है। इसके बाद, पिक सिटी पलटन और शेखावाटी स्पार्टन्स ने एक-एक जीत के साथ अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी है, जबकि मेवाड़ मावेरिक्स और बोकाणा बुल्स को आने वाले दौर में और मजबूती से वापसी करनी होगी। रोमांच को और बढ़ाते हुए, टूर्नामेंट के शीर्ष 4 रन स्कोरर जोधाणा वॉरियर्स के विकल्प मेहता रहे, जिन्होंने सिर्फ 2 मैचों में 145 रन बनाए। उनके बाद हितेंद्र सिंह (बोकाणा बुल्स, 62 रन), आरजे अर्जुन (मेवाड़ मावेरिक्स, 58 रन) और मंजीत सिंह (शेखावाटी स्पार्टन्स, सिर्फ 1 मैच में 46 रन) रहे। पहला दिन बेहद



रोमांचक रहा जब विकल्प मेहता, जो अपनी शानदार मिमिक्री और कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं, ने अपने दमदार प्रदर्शन से मंच संभाला और पूरा स्टेडियम हँसी से गुंज उठा। जैसे-जैसे लीग अपने अंतिम दिन की ओर बढ़ रहा है, चार टीमों के बीच कल होने वाला सेमीफाइनल एक शानदार ग्रैंड फिनाले का मंच तैयार करेगा जिसके बाद फाइनल के विजेता को केसीएल 2025 का ताज पहनाया जाएगा।

अटलांचर स्पोंटर्स के को-फाउंडर और व्हाईस प्रेजिडेंट जशन कौर ने कहा, "केसीएल सचमुच एक प्रोफेशनल लीग का अनुभव प्रदान कर रहा है जहाँ एंटरटेनमेंट एक्सप्लेंस से मिलता है। खेल और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए क्रिएटर्स से बेहतर और कौन हो सकता है? उनका प्रभाव युवा पीढ़ी को सक्रिय और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का एक सशक्त संदेश देगा।

सजीवन अस्पताल सील, संचालक पर एफआईआर पत्नी के नाम पर बिना पंजीयन चला रहा था; दो दिन पहले दी थी चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर में बिना पंजीयन और आवश्यक अनुमतियों के एक निजी अस्पताल को संचालित करने जाने का मामला सामने आया है। शनिवार को कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देश पर प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए सजीवन हॉस्पिटल एवं चेस्ट केयर सेंटर को सील कर दिया। इस अस्पताल का संचालन संजय गांधी अस्पताल में पदस्थ सह प्राध्यापक डॉ. मुकेश तिवारी की पत्नी के नाम पर किया जा रहा था। जांच में सामने आया कि अस्पताल के पास न तो वैध पंजीयन था और न ही आवश्यक दस्तावेज। जानकारी के अनुसार,



शहर के एक गली में स्थित सजीवन हॉस्पिटल देखने में तो किसी बड़े अस्पताल जैसा है, लेकिन जब जांच टीम पहुंची तो पाया गया कि यहां ओपीडी, एक्स-रे और अन्य जांच सुविधाएं बिना पंजीयन

संचालित की जा रही थीं। अस्पताल परिसर में ही दवाइयां बेची जा रही थीं, लेकिन वहां कोई फार्मासिस्ट मौजूद नहीं था, जो नियमों के सीधा उल्लंघन है।

दो दिन पहले दी

टीम के साथ अभद्रता की, जिससे मामला गंभीर हो गया था। इसके बाद प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने दोबारा मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की।

पंचनामा बनाकर अस्पताल सील किया: कार्रवाई के दौरान एसडीएम डॉ. अनुराग तिवारी, नायब तहसीलदार यतीश शुक्ल, और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद थे। टीम ने मौके पर पंचनामा तैयार कर अस्पताल को सील कर दिया। वहीं डॉ. मुकेश तिवारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

छिंदवाड़ा कांड के बाद प्रशासन अलर्ट: छिंदवाड़ा में कफ सिरप से बच्चों की मौत

के बाद प्रदेशभर में प्रशासन अलर्ट है। इसी के तहत रीवा जिले में मेडिकल स्टोर्स और निजी अस्पतालों की जांच शुरू की गई है। बिना फार्मासिस्ट संचालित मेडिकल दुकानों को सीज किया जा रहा है, वहीं गैर पंजीकृत अस्पतालों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

गली-कूचों में चल रहे अवैध अस्पताल: स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, रीवा शहरी क्षेत्र के कई गली-मोहल्लों में नियमों को ताक पर रखकर निजी नर्सिंग होम, हॉस्पिटल और रिसर्च सेंटर चलाए जा रहे हैं। ऐसे सभी संस्थानों की जांच की जा रही है और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर उन पर भी कार्रवाई की जाएगी।

रेडक्रास सोसायटी द्वारा एयरपोर्ट रीवा में प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया गया



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रेडक्रास सोसायटी रीवा द्वारा एयरपोर्ट रीवा में प्राथमिक उपचार के साथ ही फायर ट्रेनिंग का प्रशिक्षण दिया गया। रेडक्रास सोसायटी के चेयरमैन डॉ प्रभाकर चतुर्वेदी तथा डायरेक्टर एयरपोर्ट की उपस्थिति में डॉ आनंद महिन्द्रा द्वारा मानव शरीर रचना, फ्रैक्चर, वर्न, घाव में फस्टएड के संबंध में जानकारी दी गई। जबकि डॉ जगजीवन पाण्डेय ने

रक्तस्राव को रोकने की विधि बताई। डॉ सुशील त्रिपाठी द्वारा कृत्रिम श्वास एवं हृदय पुनर्संचालन व डूबते हुए व्यक्ति को बचाने के विषय में बताया गया। इसी क्रम में एके खान ने आपदा प्रबंधन व सुरेन्द्र सिंह ने रेडक्रास के उद्देश्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रोफेसर बुजेश पाण्डेय, ऐश्वर्य कुमार मीणा सहित एयरपोर्ट के प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

ससुर-जेठ ने बहू को घर से निकाला, रहने व खाने की हो रही दिक्कत; एसपी से की कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के ग्राम ब्रह्मगढ़ में रहने वाली पूनम तिवारी ने अपने ससुर सोहनलाल तिवारी और जेठ उमेश तिवारी के खिलाफ एसपी से शिकायत की है। पूनम का आरोप है कि पारिवारिक विवाद के चलते उसके ससुर और जेठ ने उसके कमरे में ताला लगा दिया है और उसे और उसके पति को घर से बाहर निकाल दिया है।

पूनम तिवारी के अनुसार, कमरे के अंदर उसका सारा गृहस्थी का सामान बंद है। इस कारण उसे और उसके छोटे बच्चों को रहने और खाने-पीने में समस्या हो रही है। वर्तमान में वह एक झोपड़ी बनाकर रह रही है। पूनम ने बताया कि ससुराल पक्ष के लोग झोपड़ी में भी



आकर गाली-गलौज करते हैं और उसे धमकाते हैं। पूनम तिवारी ने इस मामले की शिकायत पहले 22 अगस्त को पुलिस चौकी खरखरी में की थी, लेकिन उस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

एसपी से लगाई मदद की

गुहार: पूनम ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि उसके कमरे का ताला खुलवाया जाए, उसे और उसके बच्चों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराया जाए। साथ ही, आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए ताकि उसे न्याय मिल सके।

संजय गांधी अस्पताल में हंगामा, सिक्योरिटी गार्ड पर मारपीट और महिला से बदसलूकी का आरोप; सीएमओ बोले- जांच करेंगे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संजय गांधी अस्पताल की ओपीडी में शनिवार को जमकर हंगामा हो गया। इलाज कराने आए मरीजों और उनके परिजनों से अस्पताल के सुरक्षाकर्मियों ने अभद्रता कर दी इसके बाद मामला मारपीट और महिला से बदसलूकी तक पहुंच गया, जिसके बाद मरीजों ने सुरक्षाकर्मों को घेर लिया और जमकर नाराजगी जताई। मामले में अस्पताल के अधीक्षक ने जांच की बात कही है।

ओपीडी में लाइन के दौरान हुआ विवाद: घटना शनिवार सुबह करीब 11 बजे की है, जब रेरुआ गांव से आए पुष्पेंद्र पटेल अपने भाई और भाभी को इलाज के लिए लेकर संजय गांधी अस्पताल पहुंचा था। उन्होंने आभा एए के जरिए रजिस्ट्रेशन कर पर्थी निकालने



के लिए कतार में लगने की प्रक्रिया शुरू की थी। इसी दौरान सुरक्षाकर्मों वहां पहुंचे और पुष्पेंद्र के भाई से अभद्रता करने लगे। बात इतनी बढ़ गई कि सुरक्षाकर्मियों ने मारपीट शुरू कर दी। जब बीच-बचाव करने पुष्पेंद्र की भाभी आगे आईं, तो उनके साथ भी बदसलूकी की गई।

लोगों ने बनाया वीडियो: मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने पूरा घटनाक्रम मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब वायरल हो रहा है। मारपीट और दुर्व्यवहार से नाराज लोगों ने माके पर सुरक्षाकर्मों को घेर लिया और पूछताछ की। घटना के बाद पुष्पेंद्र ने सीएमओ ऑफिस में शिकायत दर्ज कराई

है।

अस्पताल प्रबंधन ने कही जांच की बात: संजय गांधी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा ने कहा कि घटना कैसे और क्यों हुई, इसकी जांच कराई जाएगी। अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज चेक किए जाएंगे। जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मच्छर जनित बीमारियों से बचने की सलाह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला मलेरिया अधिकारी ने वर्षाकाल के उपरांत मच्छर जनित बीमारियों डेंगू व मलेरिया से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि बारिश के बाद ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जगह-जगह जल भराव व वातावरणीय परिस्थितियां मच्छरों के अनुकूल होने से डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारी की संभावना बनी रहती है।

उन्होंने बताया कि जनवरी माह से सितम्बर माह तक रीवा जिले में 155 व मऊगंज जिले में 15 डेंगू के प्रकरण सामने आए हैं। रीवा शहरी क्षेत्र में 36 डेंगू के पॉजिटिव मरीज पाए गए। सर्वे के दौरान 27317 घरों में 33238 कंटेनर चेक किए गए जिनमें से 37 पॉजिटिव लावां पाए गए साथ ही 16537 कंटेनर खाली भी कराए गए। मलेरिया विभाग के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा सतत रूप से लावां सर्वे, फीवर सर्वे के साथ ही स्कूलों व आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं घर-घर भ्रमण कर बीमारियों से बचाव एवं उनके नियंत्रण के संबंध में जानकारी दी जा रही हैं। इस कार्य में एंबेड प्रोजेक्ट गोदरेज प्राइवेट लिमिटेड के वालेंटियर्स भी सहयोग कर रहे हैं। मलेरिया अधिकारी ने लोगों से डेंगू व मलेरिया बीमारी से सावधानियां बरतने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि मलेरिया और डेंगू से मरीज को ठण्ड लगकर बुखार आता है। प्रायः खेत, तालाब, गड्डे, खाई, घर के आसपास रखे हुए टूटे-फूटे डब्बे, पुराने टायर, पशु के पानी पीने का नाद इत्यादि में बरसात के दिनों में जल जमा हो जाता है।

समाजवादी पार्टी का पांचवे दिन धरना जारी



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। डभौरा इलाके के बौसड़वा गभैं कलिया कोट मार्ग पर तीन गांवों को जोड़ने वाले पुल और सड़क निर्माण की मांग को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) का धरना वित्त 7 अक्टूबर से जारी है। इस धरने को अगुवाई प्रदेश सचिव और पूर्व प्रत्याशी जगदीश सिंह यादव कर रहे हैं।

सपा का कहना है कि तीन गांवों के लोग बरसों से एक पुल और सड़क की आस में हैं। बच्चों को स्कूल नहीं जा पा रहे हैं, मरीज अस्पताल नहीं पहुंच पा रहे हैं, और किसानों को कोई सुविधा नहीं मिल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार इस मुद्दे के प्रति उदासीन है, जिसके कारण सपा को धरने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

अब तक कोई जिम्मेदार अधिकारी या प्रतिनिधि मौके पर नहीं पहुंचा है। सपा ने 12 अक्टूबर को समाजवाद के जनक डॉ. राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर सपा के राष्ट्रीय सचिव एडवोकेट शिव सिंह पटेल, प्रदेश महासचिव, जिला अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने की योजना बनाई है।

धरना स्थल पर लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती भी मनाई गई। धरने में प्रमुख रूप से रामकिशोर आदिवासी, वीरेंद्र वर्मा, चंदन यादव, धर्मपाल, जगदीश कुमार, शिवराम, मुंगेंद्र, राजबहादुर, कैलाश कुमार, प्रेमलाल, श्रीराम कोल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं भी उपस्थित रहीं।

शिक्षा विभाग में फर्जी डिग्री-विकलांगता सर्टिफिकेट से ली नौकरी, जांच रिपोर्टों के बावजूद अधिकारियों ने नहीं लिया एक्शन



मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के शिक्षा विभाग में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी प्राप्त करने और वर्षों तक लाभ उठाने का एक मामला सामने आया है। आरोप है कि जिले में शिक्षकों ने फर्जी डिग्रियां और विकलांगता प्रमाण पत्रों का उपयोग कर नियुक्तियां हासिल की हैं। जांच रिपोर्टों में इन दस्तावेजों को संदिग्ध पाए जाने के बावजूद, अब तक किसी भी अधिकारी की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

मामले में, पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बराव में पदस्थ शिक्षक राजेंद्र मिश्रा पर आरोप है कि उन्होंने वर्ष 1999 में एक ही वर्ष में बीए और एमए दोनों डिग्रियां प्राप्त कीं। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2020 में उन्होंने फर्जी विकलांगता प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर विकलांगता भत्ता और अन्य वित्तीय लाभ भी लिए। आरटीआई के जवाब में मेडिकल बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि इस नाम से कोई प्रमाण पत्र जारी नहीं हुआ है।

नौद्विया विद्यालय में अतिथि: इसी तरह, देवतालाब कन्या संकुल के नौद्विया विद्यालय में कार्यरत अतिथि शिक्षक रामलाल साहू पर भी आरोप है। उन्होंने वर्ष 2011 में एक ही कॉलेज शिक्षा अधिकारी और वर्तमान में मऊगंज कलेक्टर तक कई स्तरों पर आवेदन प्रस्तुत किए हैं। पटेल ने कलेक्टर मऊगंज को 117 पृष्ठों की एक विस्तृत रिपोर्ट भी सौंपी है, जिसमें साक्ष्य शामिल हैं, लेकिन कार्रवाई अभी भी लंबित है।

पीएमश्री स्कूल में पदस्थ है शिक्षक: एक

शिकायतकर्ता गंगा प्रसाद पटेल ने बताया कि वे वर्ष 2020 से इस घोटाले की शिकायत कर रहे हैं। उन्होंने रीवा कलेक्टर से लेकर जिला शिक्षा अधिकारी और वर्तमान में मऊगंज कलेक्टर तक कई स्तरों पर आवेदन प्रस्तुत किए हैं। पटेल ने कलेक्टर मऊगंज को 117 पृष्ठों की एक विस्तृत रिपोर्ट भी सौंपी है, जिसमें साक्ष्य शामिल हैं, लेकिन कार्रवाई अभी भी लंबित है।

पीएमश्री स्कूल में पदस्थ है शिक्षक: एक

ट्रैक्टर की टक्कर से साइकिल सवार बुजुर्ग घायल, रीवा रेफर; दामाद के घर से लौटते समय हादसा



मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। ट्रैक्टर ने बाइक सवार बुजुर्ग को टक्कर मार दी। हादसे में बुजुर्ग घायल हो गए। उन्हें सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद रीवा के संजय गांधी अस्पताल रेफर कर दिया। हादसा शनिवार शाम 4 बजे मऊगंज बायपास पर हुआ।

स्थित अपने दामाद के घर से साइकिल पर अपने घर लौट रहे थे। मऊगंज बाईपास पर पहुंचते ही ईट से लदे एक ट्रैक्टर के चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। बेनी कोल साइकिल से उछलकर सड़क किनारे जा गिरे, जिससे सिर और पैर में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद आसपास के लोगों ने तुरंत एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल बेनी कोल को सिविल अस्पताल मऊगंज पहुंचाया गया।